प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में पोलैंड पहुंचे हैं। यह पिछले 45 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा भी है। इस दौरान वारसा एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का जोरदार स्वागत किया गया।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः251 दिनांकः22-08-2024 गुरूवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

शरद पवार को केंद्र सरकार से मिली Z± सिक्योरिटी, सुरक्षा में तैनात रहेंगे CRPF के 10 जवान

एससी, एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर के विरोध में भारत बंदः बवाल और चक्काजाम

बिहार में ट्रेनें रोकीं, पटना में लाठीचार्ज; राजस्थान के 16 जिलों में स्कूल बंद, ओडिशा में सडक़, रेल सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट के एससी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की इजाजत देने के खिलाफ बुधवार को दलित-आदिवासी संगठनों ने भारत बंद बुलाया। नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गेनाइजेशन ने इसे दलित और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। बिहार में बंद का सबसे ज्यादा असर रहा है। वहीं राजस्थान, मप्र और उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन किया गया। बंद के दौरान देश के कई राज्यों में बवाल और चक्कजाम किया गया। इससे लोग परेशान होते दिखे।

भारत बंद को कांग्रेस, टीएमसी, सपा, बसपा, राजद, झामुमो समेत कई दलों ने समर्थन किया। वहीं, एनडीए में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने भी इस बंद को समर्थन दिया। इससे पहले केंद्र सरकार ने कहा था कि वो एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर के पक्ष में नहीं है। एससी, एसटी आरक्षण में उच्चतम न्यायालय द्वारा उपवर्गीकरण करने के फैसले के विरोध में अनुसूचित जाति और जनजाति मोर्चा व भीम आर्मी द्वारा बुलाए गए भारत बंद का पूरे देश में मिला-जुला असर देखने को मिला। इस बंद का समर्थन विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी किया, जिससे इसका प्रभाव कई शहरों में स्पष्ट रूप से रहा। आरक्षण में वर्गीकरण को लेकर ओडिशा में बुधवार को रेल तथा सडक़ यातायात बाधित हो गया। ओडिशा पुलिस ने बताया कि सरकारी कार्यालयों, बैंक, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और शैक्षणिक संस्थानों में सामान्य रूप से कामकाज हुआ।

बिहार में तोडफ़ोड़ आगजनी

बिहार के हाजीपुर शहर में सुबह से ही बंद का असर देखने को मिला। प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे पर जाम लगाकर और आगजनी कर बड़े पैमाने पर विरोध किया, जिससे सडक़ पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भीम आर्मी के सक्रिय सदस्यों ने सडक़ पर उतरकर इस बंद को सफल बनाने की कोशिश की। हाजीपुर के सभी मार्ग प्रदर्शनकारियों ने बंद कर दिए। दरभंगा में भीम आर्मी और अन्य दलित संगठनों ने बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन का चक्का जाम कर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। बिहार के जहानाबाद में इसका असर सुबह से ही दिखाई देने लगा। पटना में बंद समर्थकों ने महेंद्रु अंबेडकर हॉस्टल के पास सडक़ को जाम कर दिया और आगजनी की।

झारखंड में व्यापक असर

इसके अलावा झारखंड के चाईबासा में भारत बंद का व्यापक असर देखने को मिला है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के समर्थन के साथ अनुसूचित जाति और जनजाति संगठनों ने बाजारों को बंद करा दिया और वाहनों का परिचालन ठप कर दिया। चाईबासा शहर के तांबो चौक पर सडक़ को अवरुद्ध कर दिया गया , और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने कहा कि आरक्षण में वर्गीकरण की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में भारत बंद का असर अपेक्षाकृत कम देखा गया। चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भारत बंद का समर्थन नहीं किया है, जिसमें छोटे व्यापारी और अन्य व्यावसायिक संगठन शामिल हैं। चेंबर ने बताया कि व्यापारिक संगठनों की बिना पूर्व सूचना के समर्थन न देने की परंपरा है, जिसके कारण कवर्धा में भारत बंद का प्रभाव सीमित रहा।

राजस्थान के 4 जिलों में रही नेटबंदी

राजस्थान में प्रदर्शन को देखते हुए भरतपुर संभाग के 4 जिलों (भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर और डीग-कुम्हेर) में नेटबंदी की गई है। जयपुर सहित 16 जिलों में स्कूल-कॉलेज भी बंद रहे। तीन यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं भी कैंसिल की गई। बीकानेर के बज्जू के बाजार में दोपहर 2 बजे भारत बंद के दौरान बाजार बंद नहीं करने पर विवाद हो गया। प्रदर्शनकारी और व्यापारी आमने-सामने हो गए। प्रदर्शनकारियों ने आढ़त की दुकान करने वाले अशोक को घेर लिया और उसे दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। मामला बढ़ा तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा और मामला शांत कराया। जोधपुर के सोमेसर गांव दुकान बंद कराने के लिए प्रदर्शनकारियों ने गर्म तेल की कढ़ाई उलट दी। इस कारण हलवाई के दोनों पैर जल गए। वहीं जोधपुर शहर में रैली निकालने के दौरान बंद समर्थक ट्रैफिक पुलिस की पोस्ट पर चढ़ गए। बंद का असर जयपुर में भी रहा। राजधानी में सिटी बसों का संचालन नहीं हुआ। अलवर-भीलवाड़ा में रोडवेज बसें बंद रही। पाली, बाड़मेर, जैसलमेर, टोंक सहित कई शहरों में निकली रैलियों में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। सवाई माधोपुर में डीजे बजाते हुए कार्यकर्ता डंडे लहराते हुए रैली में पहुंचे। पाली में समिति की टीमों ने सुबह दुकानें बंद करवाईं। बंद के आह्वान पर भाजपा नेता किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ हैं। कुछ लोग एससी-एसटी को गुमराह कर राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति ने बंद की सफलता के लिए 25 टीमें भी बनाई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर पौलैंड पहुंचे

नई दिल्ली/वारसा (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में पोलैंड पहुंचे हैं। यह पिछले 45 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा भी है। इस दौरान वारसा एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। पीएम मोदी 21 और 22 अगस्त को पौलेंड दौरे पर रहेंगे और इसके बाद वह 23 अगस्त को युद्धग्रस्त यूक्रेन की राजधानी कीव जाएंगे। पीएम मोदी की पोलैंड यात्रा तब हो रही है, जब दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। पोलैंड पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने वारसॉ में जाम साहब ऑफ नवानगर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री मोदी ने पोलैंड रवाना होने से पहले अपने बयान में कहा था, पोलैंड की मेरी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हमारे राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ है। पोलैंड मध्य यूरोप में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार है। लोकतंत्र और बहुलवाद के प्रति हमारी पारस्परिक प्रतिबद्धता हमारे संबंधों को और मजबूत बनाती है।

अब अकोला में हैवानियत! स्कूल में छात्राओं से छेड़छाड़ करने वाला शिक्षक गिरफ्तार

बदलापुर(ईएमएस)। बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों के यौन शोषण को नाराज लोगों का गुस्सा शांत होता इससे पहले अकोला में छह स्कूली लड़कियों के साथ छेड़छाड़ का मामले सामने आ गया है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी टीचर ने आठवीं क्लास में पढ़ने वाली 6 छात्राओं का यौन उत्पीड़न किया है। टीचर उनको अश्लील वीडियो दिखाता था और गलत तरीके से छूता था। छात्राओं की शिकायत पर पुलिस ने टीचर को गिरफ्तार कर लिया है।अकोला पुलिस को काजीखेड़ के जिला परिषद स्कूल के शिक्षक प्रमोद मनोहर सरदार को 6 स्कूली लड़कियों से छेड़छाड़ की शिकायत मिली। पुलिस ने पीड़ित लड़कियों के बयान दर्ज किए। अकोला एसपी, बच्चन सिंह ने जानकारी दी कि भारतीय न्याय संहिता और पोक्सो अधिनियम की धारा 74 और 75 के तहत मामले दर्ज किए गए।बता दें कि बदलापुर में दो बच्चियों के साथ हुई यौन शोषण की घटना सामने आने के बाद मंगलवार को जमकर विरोध प्रदर्शन हुए। हजारों की तादाद में भीड़ रेलवे ट्रैक पर उतर गई। मंगलवार (20 अगस्त) को भीड़ ने पहले स्कूल में तोड़फोड़ की उसके बाद सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक बदलापुर स्टेशन पर प्रदर्शन किया।

इस घटना पर महाराष्ट्र सरकार ने एसआईटी गठन करने का एलान किया है। वहीं, सरकार ने इस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की बात कही है।

कोलकाता कांड में आरजी कर के पूर्व डॉक्टर का बड़ा खुलासा

लावारिश शवों को बेचने के रैकेट में शामिल था संदीप घोष

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में हुए रेप-मर्डर केस के विरोध में देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की भूमिका पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। सीबीआई संदीप घोष से 6 दिन से पूछताछ कर रही है। इसी बीच आरजी कर अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली ने संदीप घोष पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। अख्तर अली ने दावा किया है कि डॉक्टर से हुई दरिंदगी का मुख्य आरोपी संजय रॉय पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की सुरक्षा में शामिल था। उनके बाउंसर के रूप में काम करता था।

अख्तर अली ने दावा किया कि संदीप घोष अस्पताल के लावारिस शवों को बेचने सहित कई अवैध गतिविधियों में शामिल थे। उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि घोष बांग्लादेश में बायोमेडिकल अपशिष्ट और मेडिकल उपकरणों की तस्करी में लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि मैंने इसको लेकर विजिलेंस कमेटी के सामने शिकायत भी की थी। जांच का हिस्सा भी था। लेकिन फाइनल रिपोर्ट देने के बाद दो घंटे बाद ही मेरा ट्रांसफर कर दिया गया। शिकायत के बाद भी संदीप घोष पर कोई एक्शन नहीं लिया गया।

संदीप घोष का बाउंसर था मुख्य आरोपी संजय रॉय

अख्तर अली ने कहा कि इस दरिंदगी के बाद जब मैंने संजय रॉय को देखा तो मुझे याद आया कि ये शख्स संदीप घोष के 4 बाउंसर में शामिल था। उन्होंने कहा कि मैंने इसे संदीप घोष के साथ देखा है। अस्पताल में हुई चूक को साजिश बताते हुए अख्तर अली ने कहा कि जब मैं वहां कार्यरत था। तब सेमिनार रूम या नर्सिंग स्टाफ के पास रात में किसी को भी जाने की इजाजत नहीं होती थी। हर प्वाइंट पर सुरक्षा होती थी। सीसीटीवी कैमरे लगे थे।लेकिन रात में एक वॉलिंटियर कमरे में घुस जाता है और इतनी बड़ी घटना हो जाती है। ये समझ से परे है। ये एक बड़ी साजिश हो सकती है।

पैसे के लिए छात्रों को फेल करता था संदीप घोष

अख्तर अली ने कहा कि मैं 2007 से लेकर 2023 तक आरजी कर अस्पताल में कार्यरत रहा। मैंने कई प्रिंसिपल के साथ काम किया। लेकिन मैंने संदीप घोष जितना करप्ट आदमी नहीं देखा। 2021 में उसकी नियुक्ति के बाद आरजी कर अस्पताल बर्बाद हो गया। संदीप घोष ने नियुक्ति होने के बाद से ही छात्रों को फेल करना शुरू कर दिया। ताकि वह पैसे कमा सके। कई बार छात्रों ने उसके खिलाफ धरने तक दिए हैं। भूख हड़ताल की है। लेकिन उसका कभी कुछ नहीं हुआ।

इतनी सिक्योरिटी में क्यों घूमता था संदीप घोष?

अख्तर अली ने कहा कि उसकी सिक्योरिटी में कई लोग होते थे। उसने एक बड़ा रैकेट तैयार कर लिया था। वह क्रिमिनल माइंड व्यक्ति है। ऐसे लोगों को कई तरह के डर होते हैं। इसलिए वह इतनी सिक्योरिटी में घूमता था। अख्तर अली ने कहा कि आरजी कर अस्पताल 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। इसक अपना एक इतिहास रहा है। लेकिन संदीप घोष ने इसे बर्बाद कर दिया।

अब तक 64 घंटे की पूछताछ

बता दें कि संदीप घोष चौतरफा घिर गए हैं। सीबीआई की टीम ने बुधवार को लगातार छठे दिन भी डॉ। संदीप घोष से पूछताछ की। अबतक घोष से 64 घंटे तक पूछताछ की गई है। वहीं, वित्तीय अनियमितता से जुड़े नए मामले में भी डॉ। घोष की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बुधवार को उन्हें पुलिस के सामने पेश होना है और करप्शन केस में अपने बयान दर्ज कराने हैं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में भी चीफ जस्टिस ने संदीप घोष की भूमिका पर सवाल उठाए थे।

शरद पवार को केंद्र सरकार से मिली Z± सिक्योरिटी, सुरक्षा में तैनात रहेंगे CRPF के 10 जवान

नई दिल्ली , केंद्र ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) के प्रमुख शरद पवार को उच्चतम श्रेणी का सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा कवर- जेड प्लस- प्रदान किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सुरक्षा में तैनात रहेंगे ँइइ के 10 जवान

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से महाराष्ट्र के 83 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री को भी यह सुरक्षा कवर प्रदान करने को कहा है। इस कार्य के लिए 55 सशस्त्र सीआरपीएफ कर्मियों की एक टीम को नियुक्त किया गया है। सुरक्षा बढ़ने के बाद अब सीआरएफ़ के 10 जवान क़ाफ़िले में रहेंगे।

खतरे को देखते हुए बढ़ाई गई सुरक्षा

केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किए गए खतरे के आकलन की समीक्षा में पवार को मजबूत सुरक्षा कवर प्रदान करने की सिफारिश की गई है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने उन्हें सीआरपीएफ वीआईपी सुरक्षा विंग द्वारा संरक्षित जेड प्लस कवर प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ की एक टीम इस कार्य को संभालने के लिए महाराष्ट्र में पहले से ही मौजूद है। वीआईपी सुरक्षा कवर की श्रेणियां उच्चतम जेड+ से शुरू होती हैं, उसके बाद जेड, वाई+, वाई और एक्स आते हैं।

महिला डॉक्टर की डॉयरी का आखिरी पन्ना......केस में अहम सबूत

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता रेप-मर्डर मामले में सीबीआई की जांच चल रही है। सीबीआई 64 घंटे की पूछताछ पूरी कर चुकी है। इस बीच केस में एक नया पहलू सामने आया है। रेप और मर्डर वाली जगह से पुलिस को एक डायरी मिली थी, जो अब इस पूरी वारदात में अहम कड़ी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि डायरी के ठीक बगल में उसी डायरी का एक पन्ना खुला पड़ा था, जिस पर कुछ लिखा हुआ था।

सूत्रों का कहना है कि शायद महिला डॉक्टर ने उसी रात अपनी मौत से पहले खुद ही पन्ने में लिखी होगी। बरामद करने के बाद, कोलकाता पुलिस ने डायरी को मृतक के माता-पिता को दिखाकर पूछा कि क्या यह उनकी बेटी की लिखावट है। सूत्र ने बताया कि उन्होंने बेटी की लिखावट होने की हामी भरी है। इसके बाद पन्ने को जब्त कर लिया गया। कोलकाता पुलिस के टॉप सूत्रों का दावा है कि पन्ने और डायरी को सीबीआई को सौंप दिया गया है।

सूत्रों का कहना है कि महिला डॉक्टर शायद नियमित रूप से अपनी डायरी लिखती थी। वह क्या करना है, इसकी एक लिस्ट बनाती थी। सूत्रों के मुताबिक, अपनी मौत से पहले महिला डॉक्टर ने पन्ने पर एक लिस्ट बनाई थी कि क्या करना है। वह कई प्राइवेट क्लीनिकों और मशहूर अस्पतालों में प्रैक्टिस करना चाहती थी। सूत्रों का दावा है कि मृतका ने लिखा कि वह आने वाले वक्त में वह मेडिकल में गोल्ड मेडल जीतना चाहती है। वह गोल्ड मेडल हासिल करने के लिए अच्छी तरह से स्टडी भी करना चाहती थी।

क्या एफआईआर दर्ज कराने के लिए आंदोलन करने पड़ेंगे?

- बदलापुर में बच्चियों से बदसलूकी पर फूटा राहुल गांधी का गुस्सा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बदलापुर में यौन दुर्व्यवहार की घटना पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल, यूपी, बिहार के बाद महाराष्ट्र में भी बेटियों के खिलाफ शर्मनाक अपराध सोचने पर मजबूर करते हैं कि हम एक समाज के तौर पर कहां जा रहे हैं? उन्होंने कहा, क्या अब एफआईआर तक दर्ज कराने के लिए आंदोलन करने पड़ेंगे? आखिर पीड़ितों के लिए पुलिस थाने तक जाना भी इतना मुश्किल क्यों हो गया है?

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने एक एक्स पोस्ट में कहा, बदलापुर में दो मासूमों के साथ हुए अपराध के बाद उनको इंसाफ दिलाने के लिए पहला कदम तब तक नहीं उठाया गया जब तक जनता 'न्याय की गुहार' करते हुए सड़क पर नहीं आ गई। उन्होंने कहा, न्याय दिलाने से अधिक प्रयास अपराध छिपाने के लिए किया जाता है, जिसका सबसे बड़ा शिकार महिलाएं और कमज़ोर वर्ग के लोग होते हैं।

एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने पर बोले राहुल

कांग्रेस नेता ने कहा, एफआईआर दर्ज नहीं होना न सिर्फ पीड़ितों को हतोत्साहित करता है बल्कि अपराधियों का हौसला भी बढ़ाता है। सभी सरकारों, नागरिकों और राजनीतिक दलों को गंभीर मंथन करना होगा कि समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए क्या कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा, न्याय हर नागरिक का अधिकार है, उसे पुलिस और प्रशासन की 'मर्जी का मोहताज' नहीं बनाया जा सकता।

इस मामले की वजह से महाराष्ट्र के बदलापुर में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें हजारों लोगों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। इस दौरान हिंसा और तोड़फोड़ भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया, जिससे कई ट्रेनों का मार्ग बदलना पड़ा। पुलिस को भी देरी से प्रतिक्रिया देने के लिए लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। इस मामले में तीन अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है

एलएसी पर चीनी सेना ने बनाई 6 नई हेलीस्ट्रिप

-सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ खुलासा

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन ने फिर से बॉर्डर पर साजिश रचना शुरू किया है। लद्दाख से लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की सेना ने 6 नई हेलीस्ट्रिप बनाई है। सैटेलाइट तस्वीरों के द्वारा इसका खुलासा हुआ है। जहां हेलीस्ट्रिप बनाई गई है, वे वेस्टर्न तिब्बत में मौजूद है। लद्दाख के डेमचोक से इन हेलीस्ट्रिप की दूरी 100 मील है, इस कारण खतरा और भी ज्यादा बढ़ जाता है। फिलहाल भारत सरकार की ओर से मुद्दे पर कोई जवाब नहीं आया है।

गेयायी नाम की जगह पर हेलीस्ट्रिप को बनाया है। यहां पर अभी कंस्ट्रक्शन का काम पूरा नहीं हुआ है। हेलीस्ट्रिप बनाने की शुरुआत अप्रैल, 2024 में हुई थी। तस्वीरों से पता चलता है कि यहां पर 6 हेलीस्ट्रिप तैयार की जा रही है। इसका मतलब है कि यहां सिर्फ 1 या 2 हेलीकॉप्टर नहीं, बल्कि आधा दर्जन से एक दर्जन हेलीकॉप्टर एक साथ तैनात हो सकते हैं। यह लद्दाख के डेमचोक से सिर्फ 100 मील और उत्तराखंड के बाराहोती से 120 मील दूर है। डेमचोक भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच संघर्ष क्षेत्र रहा है। चीन की सेना अक्सर ही एलएसी के करीब हेलीपैड या कंस्ट्रक्शन करती रही है। पिछले कुछ सालों में कई सारी सड़कों का निर्माण भी इस इलाके में किया है। भारत ने भी लद्दाख के करीब चीनी हिस्से पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है।

बदलापुर कांड के विरोध में 24 को महाराष्ट्र बंद

- विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी ने किया ऐलान

मुंबई(ईएमएस)। महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी ने बदलापुर घटना के विरोध में 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया है। एमवीए नेताओं का आरोप है कि सरकार बदलापुर घटना को लेकर कार्रवाई में देरी कर रही है। इसके साथ ही दुर्भाग्यपूर्ण रवैया भी अपनाया है। महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने साफ कहा कि विपक्षी दल इस मामले में कोई राजनीति नहीं कर रहा है।

महाविकास अघाड़ी के प्रमुख नेताओं ने बुधवार को बैठक की। इस बैठक में राज्य में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर लंबी चर्चा हुई। इस बैठक के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि हम सीट शेयरिंग की चर्चा करने आए थे लेकिन बदलापुर घटना को देखते हुए हमने महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था पर चर्चा की। लोगों में बहुत रोष है, जनता सडक़ों पर निकल चुकी है और जो आंदोलन कर रहा है उसके खिलाफ मुकदमे हुए हैं। हमे यह निर्णय लिया है कि बदलापुर की घटना के विरोध में हम 24 तारीख को महाराष्ट्र बंद का ऐलान करेंगे। हम तीनों पार्टियां महाराष्ट्र बंद में शामिल होंगे। बता दें कि एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) मुख्य घटक हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी शामिल हैं।

आज मनाया जाएगा पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

चंद्रयान-3 मिशन ने रचा था इतिहास

नई दिल्ली(ईएमएस)। अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वर्ष इसी दिन चंद्रयान-3 मिशन के दौरान चंद्रमा की सतह पर विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग हुई थी। इस वर्ष के उत्सव का विषय चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूनाः भारत की अंतरिक्ष गाथा है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित मुख्य समारोह का उद्घाटन करेंगी।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, पिछले साल इसी दिन भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से में चंद्रयान-3 उतारकर इतिहास रचा था। यह हमारा पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस है। यह न केवल जश्न मनाने का दिन है, बल्कि आत्मचिंतन और भविष्य की रूपरेखा तैयार करने का भी दिन है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमने कार्यक्रम को इसी के अनुसार तैयार करने और इसे भविष्य की दृष्टि से अकादमिक दृष्टिकोण देने का प्रयास किया है। यह नागरिकों को अंतरिक्ष क्षेत्र में उपलब्धियों से अवगत कराने का भी अवसर है। एक तरह से यह ऐसा अवसर है जो हर नागरिक के दिल को छूता है। नई नीति आने और अंतरिक्ष क्षेत्र के उदारीकरण के साथ, हमने पिछले 3-4 वर्षों में इस क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाई है। जैसा कि वित्त मंत्री ने बजट में घोषणा की है, हम अगले 10 वर्षों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में 5 गुना वृद्धि करेंगे।

आंध्र प्रदेश में फार्मा यूनिट में विस्फोट; 13 कर्मचारियों की मौत, 50 से अधिक घायल

विशाखापत्तनम (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में आज एक फार्मा यूनिट में रिएक्टर विस्फोट में 13 कर्मचारियों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए।

अचुतापुरम विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) में दवा कंपनी एसिएंटिया में लंच ब्रेक के दौरान यह विस्फोट हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि लंच ब्रेक के दौरान कंपनी परिसर में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और वे जान बचाने के लिए बाहर भागे।

आग बुझाने के लिए कई दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। एनडीआरएफ, दमकल कर्मियों और पुलिस ने इमारत की तीसरी मंजिल पर फंसे कर्मचारियों को बचाया। घायलों को अनकापल्ली के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या अभी बढ़ सकती है, क्योंकि घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। विस्फोट के समय कंपनी में लगभग 300 कर्मचारी मौजूद थे।

विस्फोट इतना जोरदार था कि इमारत की पहली मंजिल का स्लैब ढह गया। पूरे इलाके धुआं छा गया, जिससे बचाव अभियान में बाधा आ रही है।

विस्फोट से आसपास के गांवों में भी लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद कर्मचारियों ने कंपनी के बाहर एकत्र होकर पीड़ितों के लिए मुआवजे और लापरवाही के लिए अधिकारियों को सजा देने की मांग की।मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विस्फोट पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने अनकापल्ली के जिला कलेक्टर से बात कर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के लिए अच्छे से अच्छा ईलाज मुहैया कराने के निर्देश दियें हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने भी अचुतापुरम सेज में रिएक्टर विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

भारत बंद के दौरान बिहार में जलते हुए टायरों पर से गुजरी बच्चों से भरी स्कूल बस, बड़ा हादसा टला

बिहार के गोपालगंज में आंदोलनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर आवागमन ठप किया

गोपालगंज(ईएमएस)। बिहार के गोपालगंज में बुधवार को अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ मोर्चा के आह्वान पर भारत बंद के तहत प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आंदोलनकारियों ने सड़कों पर जाम लगाया। शहर में जब आंदोलनकारी सड़क पर आवागमन रोकने के लिए टायर जला रहे थे तभी एक स्कूल बस जलते हुए टायरों पर चढ़ गई। बस में स्कूल के बच्चे सवार थे। बस को जल्द आगे बढ़ाया गया जिसके कारण उसमें आग नहीं लगी और एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारियों ने स्कूल बस में आग लगाने की कोशिश की।

गोपालगंज में भारत बंद का मिलाजुला असर देखने को मिला। आंदोलन कर रहे लोगों ने विरोध जताने के लिए शहर के अरार मोड पर सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की और आवागमन रोक दिया। इसी दौरान जब बच्चों से भरी स्कूली बस वहां से गुजर रही थी। बस रुकी लेकिन इससे पहले उसका पीछे का एक पहिया जलते हुए टायर के पास पहुंच गया। इससे बस में आग लगने का खतरा पैदा हो गया। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने जलते हुए टायर को लकड़ी से हटाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। हालांकि ड्राइवर ने बस को आगे बढ़ाया और उसमें आग नहीं लग सकी। इससे एक बड़ा हादसा टल गया।

गोपालगंज पुलिस और जिला प्रशासन को ड्रोन कैमरे से आगजनी करने वाले उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने का निर्देश दिया गया है।

राकेश टिकैत ने कहा-जो हाल बांग्लादेश का हुआ वही हाल हम भारत का करेंगे

मोदी सरकार को हम बांग्लादेश की तरह निपटा देंगे

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का एक विवादित बयान सामने आया है। राकेश टिकैत ने एक बयान में कहा है कि भारत में भी बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे हालात बन रहे हैं, जिससे यहां भी वैसा ही आंदोलन हो सकता है। टिकैत ने मीडिया की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोलकाता में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना को लेकर मीडिया ने जो सक्रियता दिखाई, वैसी मणिपुर की घटनाओं पर नहीं दिखी।

टिकैत यह बातें पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के कार्यालय में बिजली संबंधी शिकायतों को लेकर उच्च अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान कह रहे थे। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान साढ़े सात सौ से अधिक किसानों के बलिदान का जिक्र किया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उनका यह भी कहना था कि जहां विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा, टिकैत ने बिजली के मुद्दे पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने किसानों को निशुल्क बिजली देने की घोषणा की है, लेकिन इसके साथ टयूबवेल पर मीटर लगाने की शर्त रखी गई है। टिकैत ने साफ कहा कि किसान टयूबवेल पर मीटर नहीं लगने देंगे, और अगर मीटर लगाया गया तो उसे उखाडक़र बिजली कार्यालय में जमा कर दिया जाएगा।

चंपाई सोरेन ने किया नई पार्टी बनाने का ऐलान

हेमंत सोरेन से बगावत के बाद बड़ा फैसला

रांची(ईएमएस)। झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता चंपाई सोरेन के सुर बागी हो गए हैं। उनके हाल के एक ट्वीट ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी थी। हर कोई ये सोच रहा था कि चंपाई का अगला कदम क्या होगा? अब पूर्व सीएम ने नई घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि वह राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे और नई पार्टी बनाएंगे। उन्होंने गठबंधन के लिए भी दरवाजे खुले रखे हैं। चंपाई ने कहा कि मैंने तीन विकल्प बताए थे, रिटायरमेंट, संगठन या दोस्त। मैं रिटायर नहीं होऊंगा। मैं पार्टी को मजबूत करूंगा, नई पार्टी बनाऊंगा।

पूर्व सीएम ने कहा कि मैं राजनीति से संन्यास नहीं लूंगा। मैंने तीन विकल्प बताए थे, रिटायरमेंट, संगठन या दोस्त। मैं रिटायर नहीं होऊंगा, मैं पार्टी को मजबूत करूंगा, नई पार्टी बनाऊंगा और अगर रास्ते में कोई अच्छा दोस्त मिलता है, तो उसके साथ आगे बढ़ूंगा।

शंभू बॉर्डर अभी नहीं खुलेगाःहरियाणा पुलिस ने कहा-बिना ट्रैक्टर जाएं दिल्ली; किसान नेताओं का इनकार

चंडीगढ़(ईएमएस)। किसानों के आंदोलन के चलते शंभू बॉर्डर पिछले छह महीने से बंद है। इस कारण लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा को आंशिक रूप से बॉर्डर खोलने को कहा था। इसी सिलसिले में आज पटियाला में पंजाब पुलिस और किसानों के वरिष्ठ अधिकारियों की अहम बैठक हो रही है। मीटिंग में एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर अर्पित शुक्ला, शौहकत अहमद पर्रे व हरियाणा के अधिकारी मौजूद रहे। इसमें इस मुद्दे पर मंथन हुआ। लेकिन मीटिंग में कोई नतीजा नहीं निकला है। वहीं, गुरुवार को इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है।

मीटिंग करीब एक घंटे तक चली। किसान किसानों ने मीटिंग में साफ कहा कि उन्होंने रास्ता नहीं रोका हुआ है। यह रास्ता हरियाणा सरकार व पुलिस की तरफ से रोका गया। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार रास्ता खोलती है तो खुशी की बात है। लोगों को फायदा होगा और हम भी दिल्ली जाएंगे। डल्लेवाल ने कहा कि हरियाणा के अधिकारियों का कहना था आप व्हीकल लेकर दिल्ली न जाए। लेकिन हमने सरकार का व्यवहार देखा है। पहले 13 महीने बात दिल्ली में किसानों से बात नहीं की गई थी। अब छह महीने संघर्ष के चलते हुए हो गए है। वहीं, हम दिल्ली बिना ट्रैक्टर ट्रॉली नहीं जाएंगे। क्योंकि यह ट्रैक्टर ट्रॉलियां ही उनके घर है। सर्दी गर्मी कई तरह का मौसम होता है। हमें दिल्ली में राशन पानी की जरूर भी पड़ेगी। ऐसे में ट्रैक्टर को साथ लेकर जाना हमारी मजबूरी है। उन्होंने बताया कि हमने सारा पक्ष प्रशासन के समक्ष रख दिया है। प्रशासन ने कहा है कि जल्दी ही मीटिंग बुलाई जाएगी।

जन हितैषी

भारतीय संविधान ही सेक्यूलर नागरिक संहिता, सभी नागरिकों के मौलिक अधिकार एक समान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले से कम्युनल सिविल कोर्ट के स्थान पर सेक्युलर सिविल कोड की स्थापना का आह्वान किया है। यह कहकर उन्होंने एक नए विवाद को जन्म दिया है। उन्होंने भारतीय संविधान की अनदेखी कर,संविधान के महत्व को घटाने का काम किया है। भारतीय संविधान 1950 में लागू हुआ। संविधान निर्माताओं ने भारत के सभी नागरिकों को ?बिना ?किसी एक समान अधिकार दिए हैं। सभी नाग?रिकों को अपने धर्म अपनी भाषा बोलने का अधिकार दिया है। सभी नागरिकों को स्वतंत्र अभिव्य?क्ति का समान रूप से संविधान ने मौलिक अधिकार दिए हैं। उनमें किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं है। भारतीय संविधान ने हजारों वर्षों की गुलामी के कारण समाज का जो वर्ग आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा हुआ था। उसे सामाजिक और आर्थिक प्रगति के साथ आगे लाया जा सके। उस समय समाज में जो कुरीतियां थी। उनको समाप्त करने के लिए संविधान में कुछ ?विशेष प्रावधान किए थे। भारत विविध धर्म और विविध भाषाओं वाला देश है। यहां का खान-पान, रहन- सहन, धार्मिक रीति-रिवाज, सब अलग-अलग हैं। हिंदुओं के सभी वर्ग और समुदाय की आराधना पद्धति और धार्मिक पद्धति अलग-अलग हैं। हिंदुओं में हजारों देवी देवता हैं। जिनकी पूजा अलग-अलग तरीके से होती है। भारतीय संविधान ने नागरिकों को मौलिक अधिकारों के साथ स्वतंत्र जीवन की स्वतंत्रता दी है। संविधान ने नागरिकों के लिए जो मौलिक अधिकार घोषित किए हैं। उसका अन्य कोई विकल्प नहीं हो सकता है। भारतीय संविधान सच्चे मायने में सेकुलर नागरिक संहिता है। जिसमें कोई भेदभाव नहीं है। हिंदुओं के लिए सिविल कोड है। इस सिविल कोड में भारत की तीन चौथाई जनसंख्या कवर होती है। हिंदुओं की ही बात करें, तो शैव,विष्णु,ब्रह्मा,जैन, बौद्ध, सिख, पारसी,आदिवासी और उपजातियों की अलग-अलग परंपराएं हैं। सभी उपजातियां की अलग-अलग सोच है। इसको बदल पाना भगवान के लिए भी संभव नहीं है। प्रत्येक नागरिक की निजी आस्था उसकी सोच का प्रतीक है। भारतीय संविधान ने निजी आस्था और विश्वास को बनाए रखते हुए, सभी नागरिकों के लिए समान मौलिक अधिकारों का चयन किया। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में भारत के संविधान को सर्वश्रेष्ठ माना गया। इससे बेहतर लोकतांत्रिक व्यवस्था अन्य कोई हो ही नहीं हो सकती है। हिंदू सिविल कोड को भारतीय संविधान ने मान्यता दी। उसी तरीके से मुस्लिम, ईसाइयों, बौद्ध,सिख, आदिवासियों इत्यादि को अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भारतीय संविधान ने मान्यता दी है। निजी आस्था और धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार जीवन जीने का अधिकार बिना किसी भेदभाव के सभी नाग?रिकों को दिया है। संविधान के मौलिक अधिकारों में कोई भी फेरबदल करने की ?किसी को नहीं दी गई। इसी कारण पिछले 75 वर्षों से भारत की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्थाएं सुरक्षित हैं। विभिन्न विचारधारा और विभिन्न मान्यताओं को मानने वाले नागरिक भारतीय संविधान से जुड़े हुए हैं। इसका एक ही कारण है, कि सभी के नागरिक अधिकार एक समान हैं। भारतीय संविधान के अनुसार कोई भी नागरिक अपने निजी अधिकारों की मांग करते हैं। तो संविधान मे उसका भी संरक्षण है। संविधान निर्माताओं ने भारत के हर नागरिक के अधिकारों का समान रूप से ध्यान रखा है। इस बात का ध्यान रखा है, जो लोग और जो समाज सबसे दयनीय स्थिति में है। उसका संरक्षण किया जाना जरूरी है। यह भारतीय संस्कृति का सबसे बड़ा अभिन्न हिस्सा और सोच है। भारतीय संविधान के रहते हुए, अन्य किसी समान नागरिक संहिता बनाने की कोई जरूरत नहीं है। भारत मे सैकडों धर्म, सैकड़ो भाषाओं, हर क्षेत्र की अलग-अलग परंपराओं,अलग-अलग मान्यताओं,अलग तरीके के खानपान के होते हुए भारत में सभी नाग?रिक आपस में मिलकर रहते हैं। विश्व के सभी देश आश्चर्यचकित होकर भारतीय संविधान की सराहना करते हैं। संविधान सभा में सभी विषयों पर बहुत बड़ा विचार विमर्श हुआ था। 2 साल तक यह विचार विमर्श चलता रहा। तब जाकर संविधान के अंतिम प्रारूप को तैयार कर सर्व समिति से स्वीकार किया गया। संविधान निर्माण के लिए सभी जातियों और सभी धर्म के लोगों को संविधान सभा में रखा गया था। सभी ने खुलकर अपने-अपने विचार रखे थे। तब जाकर भारत का संविधान फाइनल हुआ। भारतीय संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार सामान है। इसमें किसी भी तरह का भेदभाव नहीं है। संविधान के मौलिक अधिकारों से छेड़छाड़ करने का अधिकार ना तो विधायिका और ना ही कार्यपालिका को दिया गया। मौलिक अधिकारों के संरक्षण की जिम्मेदारी संविधान निर्माताओं ने न्यायपालिका को दी। नागरिकों के मौलिक अधिकारों को खत्म या कम करने के लिए विधायिका और कार्यपालिका कोई कानून या कोई नियम बनाती है। जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके से करते हों। उनको निरस्त करने का अधिकार न्यायपालिका को संविधान ने दिया है। भारतीय संविधान सही मायने में भारत की सेक्यूलर नागरिक संहिता है। इसमें किसी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। विभिन्न विचारधारा की सरकारें आती और जाती हैं। संविधान प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों में छेड़छाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं है। अनंत काल से लेकर आज तक ऐसी कोई विचारधारा नहीं है। जो सभी को स्वीकार हो। पौराणिक ग्रंथो का अध्ययन करें, तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश को मानने वाली देवभू?मि में अलग-अलग समुदाय थे। समूह में लोगों की मान्यताएं थीं। सामाजिक व्यवस्था में हमेशा विवाद होते रहे हैं। विचार हमेशा निजी होते हैं। समय-समय पर इनमें बदलाव भी आता है। धर्म चाहे कोई भी हो, सभी धर्म के मूल गुण एक हैं। सामाजिक व्यवस्था में समाज के सभी वर्गों को एक साथ लेकर चलना ही सामाजिक विकास की सबसे बड़ी शर्त है। भारतीय सं?विधान में यह सब है।

व्यक्तित्व विकास जरुरी है

हर व्यक्ति जन्म से अनूठा है, सभी में कुछ विशेष ऐसा है जो हमें औरों से अलग करता है। यही विशेषताएँ तय करती हैं कि हम कौन है और किसी परिस्थिति में किस तरह व्यवहार करेंगे। ज्यादातर समय हम अपनी उन विशेषताओं के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते है जो हमें नुकसान पहुंचाती हैं और फिर स्वयं को कमतर आंकने लगते हैं। हालाँकि हम ये जानते हैं कि हर कोई अपने आप में अनूठा है, बस आवश्यकता है तो अपने भीतर सोई हुई आकांक्षाओं को जगाने की और अपने व्यक्तित्व को निखारने की होती है। व्यक्तिव विकास की प्रक्रियाएँ वास्तव में तकनीक में उभरने में मददगार होती हैं। व्यक्तित्व विकास के द्वारा एक जड़ता और अरुचि की अवस्था में फँसा व्यक्ति, उत्साही, प्रसन्न और लक्ष्य की ओर प्रेरित व्यक्ति के रूप में परिवर्तित हो जाता है। व्यक्तित्व विकास की प्रक्रियामें व्यक्ति अपने अनूठेपन को बिना किसी हिचकिचाहट और सीमाओं के बंधन के साझा कर मानव स्वस्थ एवं सुखी रह सकता है। व्यक्तित्व विकास किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेख में व्यक्तित्व विकास के महत्व पर चर्चा की गई है।

अपमान का भय, हानि का भय, रोग का भय, मृत्यु का भय, अनेक प्रकार के भय हमें घेरे ही रहते हैं तथा सारा जीवन यों ही रोते, डरते बीत जाता है। भय बार-बार मन को विचलित कर देता है। भय भूखे भेड़िये की भाँति मनुष्य के स्वास्थ्य और सुख को खा जाता है। चिन्ता हमें पंगु बनाये रखती है। काल्पनिक चिन्ताओं में हम अपनी जीवन-शक्ति का क्षय करते ही रहते हैं। किसी मनुष्य के कोसने (दुर्भावना, ईर्ष्या, क्रोधावेश इत्यादि के कारण दुर्वचन कहने) पर ध्यान ही नहां देना चाहिए। किसी के कोसने से कभी कुछ नहीं बिगड़ता है, बल्कि कोसनेवाले का ही पुण्य क्षीण होता है। भय के कारण अपशुकन भूत-प्रेत आदि के भ्रम में पड़कर किसी तिथि को, कभी किसी समय को, कभी किसी संख्या को, कभी किसी पशु को, कभी किसी व्यक्ति को अशुभ कह देते हैं तथा बच्चों के कोमल मन पर भी कुप्रभाव डाल देते हैं। भावनाओं कीअभिव्यक्ति से करते हैं। अपने संवाद में स्पष्टता लाते ही आप देखेंगें की लोग बेहतर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और अधिकतर जो आपके लिए लाभकारी भी है। जीवन में विजेता होने के लिए धीरज रहना चाहिए। भड़भड़ाहट और अधीरता से की प्रतिक्रिया फायदे से ज्यादा हानि पहुंचाती है। ध्यान रहे, हमें शांति और धीरज रखनी चाहिए, जिससे हम तनाव रहित होकर समझदारी से भरे त्वरित निर्णय ले सकेगें। उत्साह, आत्मविश्वास और धैर्य से उलझनें हँसते-हँसते सुलझ जायेंगी। सब कुछ खोकर भी परम मूल्यवान् जीवन तो अभी शेष है, जो वास्तव में सब कुछ है। हमें नये सिरे से शून्य से ही पुन: प्रारम्भ करके चमक उठने के लिए तैयार रहना चाहिए। विश्वास कीजिये, प्रभु उन जघन्य अपराधों को भी क्षमा कर देते हैं जिन्हें मानव अक्षम्य समझता है, यदि आप सच्चे भाव से शरण में आकर पवित्र हो गये हैं। किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके विचारों, विश्वासों, मूल्यों और अपेक्षाओं को प्रभावित करता है। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

महिलाओ की सुरक्षा है जरुरी

कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर के साथ रेप मर्डर मामले में सियासत चरम पर है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गुरुवार को राजभवन पहुंचीं। लेकिन चाय पार्टी के बाद उन्होंने बीजेपी और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा। कहा, बुधवार रात हॉस्पिटल में जो कुछ उपद्रव हुआ, उसके लिए यही दोनों दल जिम्मेदार हैं। लेकिन बोलते-बोलते उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया, जिसे लेकर हंगामा खड़ा हो गया। ममता ने कहा, बीती रात अस्पताल में जो कुछ हुआ वह 'बाम और राम' का कारनामा है। इसमें भगवान राम का नाम लेना अनुचित है जिस नाम पर को सत्य और तारनहार कहा जाता है जो हमारे समझ से बाहर है उसपर राजनीति नहीं करनी चाहिए ऐ नाम तो ऐसा है जो हर हिन्दू के लिए मरने जीने का सबाल हो जाता है वो एक दीन दु:खियों की रक्षा करते हैं उनके नाम को बदनाम करना अनुचित है और पाप के भागीदार ही बन सकते हैं मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम का नाम ही छोटा सा शक्तिशाली महामंत्र है, जिसके सिर्फ जपने से ही व्यक्ति को सही मार्ग दिखने लगता है। हिंदू धर्म के अनुसार, राम का नाम इंसान के जन्म से लेकर मृत्यु तक लिया जाता है। भगवान राम का जाप करने से व्यक्ति को सही कार्य करने की शिक्षा मिलती है।

राम केवल एक नाम भर नहीं , बल्कि वे जन-जन के कंठहार हैं, मन-प्राण हैं, जीवन-आधार हैं उनसे भारत अर्थ पाता हैं वे भारत के प्रतिरूप हैं और भारत उनका उनमें कोटि-कोटि जन जीवन की सार्थकता पाता हैं भारत का कोटि-कोटि जन उनकी आँखों से जग-जीवन को देखता हैं उनके दृष्टिकोण से जीवन के संदर्भों-परिप्रेक्ष्यों-स्थितियों-परिस्थितियों-घटनाओं-प्रतिघटनाओं का मूल्यांकन-विश्लेषण करता हैं भारत से राम और राम से भारत को विलग करने के भले कितने कुचक्र-कलंक रचे जाएँ, भले कितनी *वामी-विदेशी* चालें चली जायँ, यह संभव होता नहीं दिखता क्योंकि राम भारत की आत्मा हैं राम भारत के पर्याय हैं राम निर्विकल्प हैं, उनका कोई विकल्प नहींजिस प्रकार आत्मा को शरीर से और शरीर को आत्मा से कोई विलग नहीं कर सकता, उसी प्रकार राम को भारत से विलग नहीं किया जा सकता राम के सुख में भारत के जन-जन का सुख आश्रय पाता है, उनके दु:ख में भारत का कोटि-कोटि जन आँसुओं के सागर में डूबने लगता है और वे अश्रु-धार भी ऐसे परम-पुनीत हैं कि तन-मन को निर्मल बना जाते हैं।

अश्रुओं की उस निर्मल-अविरल धारा में न कोई ईर्ष्या शेष रहती है, न कोई अहंकार, न कोई लोभ, न कोई मोह, न कोई अपना, न कोई पराया कैसा अद्भुत है यह चरित-काव्य, जिसे बार-बार सुनकर भी और सुनने की चाह बची रहती है और रसपान की प्यास बनी की बनी रह जाती है! कैसा अद्भुत है यह नाम जिसके स्मरण मात्र से नयन-चकोर उस मुख-चंद्र की ओर टकटकी लगाए एकटक निहारते रह जाते हैं! उस चरित्र को अभिनीत करने वाले, उस चरित्र को जीने वाले, लिखने वाले हमारी आत्यंतिक श्रद्धा के सर्वोच्च केंद्रबिंदु बन जाते हैं उसके सुख-दु:ख, हार-जीत, मान-अपमान में हमें अपना सुख-दु:ख, हार-जीत, मान-अपमान प्रतीत होने लगता हैं उसकी प्रसन्नता में सारा जग हँसता प्रतीत होता है और उसके विषाद में सारा जग रोता टेलीविजन पर आज के प्रसारण में लव-कुश द्वारा रामायण का सस्वर गायन सुनकर आज मेरे चित्त की ऐसा दशा हुई कि वर्णन नहीं कर सकता बस इतना कह सकता हूँ कि स्मरण नहीं, इससे पूर्व कब इन नयनों की कोरों से अश्रुओं की ऐसी धार उमगी-उमड़ी थी लाख प्रयासों के पश्चात भी जिसे परिजनों की दृष्टि से ओझल न रख पाया जाय, भावनाओं के उस तीव्रतम वेग का अनुमान आप सहज ही लगा सकते हैं और क्या यह केवल मेरे चित्त की अवस्था है? क्या यह करोड़ों लोगों की दशा-अवस्था नहीं? क्या करोड़ों लोग आज भी इस सीरियल के प्रसारण को टकटकी लगाकर नहीं देखते, उसे देख-देख भाव-विह्वल नहीं होते?

कई बार मेरा मन पूछता है कि क्यों होता है ऐसा बारंबार? कई बार मेरा मन यह भी पूछता है कि जिन करोड़ों लोगों की आँखें, मन-प्राण, जिस एक चरित्र में बसे-रमे हों, आख़िर किन षडयंत्रों के अंतर्गत उस चरित्र के बखान का कुछ लोग विरोध करते हैं? जो उचित नहीं है जब आप उसके बारे में जानते ही नहीं तो उसपर टिका टिप्पणी करना मूर्खता है। सत्ता आती है और जाती भी है लेकिन भगवान राम सत्य हैं उसके बिना जीना निरर्थक है वो अमर हैं और राजनीती से दूर हैं जो हाल ही के चुनाव में देखने को भी मिला अन्त समय में दम तोड़ते वक़्त राम का नाम लेकर महात्मा गाँधी स्वर्ग सिधार गए क्योंकि कहा गया है राम का नाम लेकर जो मर जायेंगे वो अमर नाम दुनिया में कर जायेंगे उससे परम पवित्र और शुद्ध नाम क़ोई और नहीं हो सकता है ऐ मैं दावे के साथ इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि भारत में जितने महपुरुष हुए खासकर संत राम कृष्ण परमहंस सभी में राम का नाम जुड़ा मिलेगा क्योंकि ऐ परम पवित्र नाम है इससे सुन्दर क़ोई दूसरा नाम नहीं है। कोलकाता में डॉक्टर लेडी का रैप और मर्डर का मामला को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए और दोषियों को सख्त सजा देना चाहिए क्योंकि मुख्यमंत्री को किसी भी घटना को पार्टी के हित में नहीं जनता के हित में निर्णय लेना चाहिए क्योंकि जनता के वोटो से ही मुख्यमंत्री की कुर्सी मिली है अत: पद की गरिमा का ख्याल रखना चाहिए(लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

कलकत्ता दुष्कर्म व हत्याः एक और निर्भयाकांड, विश्वगुरुशर्मसार?

एक और निर्भया कांड हो गया विश्वगुरु की एक बार फिर फजीहत हुई हैत कलकत्ता दुष्कर्म व हत्याकांड से एक और दाग लग गयात देश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं।बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है। यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। हर जगह दरिंदे दरिन्दगी कर रहे हैं ताज़ा घटनाक्रम कलकत्ता मेडिकल कालेज की एक ट्रेनी डाक्टर के साथ गैंगरेप व हत्या का मामला बहुत ही सगीन अपराध है ऐसे दरिंदो को फांसी की सजा देनी चाहिए यह बहुत ही जघन्य अपराध हैत गत वर्ष वाराणसी में घटित हुआ थाजहाँ बीएचयू परिसर कुछ गुंडों द्वारा एक लड़की के साथ अश्लील हरकते करना व और वीडियो बनाना की घटना सामने आई थीत साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं।आज कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं।आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है।इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है।सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है।आखिर कब तक बेटियां दरिंदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं।बेखौफ दरिंदें अराजकता फैला रहे है दरिंदों की दरिंदगी की वारदातें कब रुकेगी,अपराध की तारीख बदल जाती है ,मगर तस्वीर नहीं बदलती।बेशक प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया गया। मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं मगर धरातल की सच्चाईयां बेहद ही खौफनाक तस्वीरें प्रस्तूत कर रही है। आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देंश के लिए अशुभ संकेत है।आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छुह रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता।आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो,बस,सड़क ,गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है है। 2019,2020,2021,2022,2023 में भी दरिंदो ने दरिन्दगी जारी रखी त वर्ष 2024 में भी हालात सुधर नहीं रहे है ।आंकड़ों के अनुसार 12 सितंबर 2018 को हरियाणा के रेवाड़ी में एक 19 साल की मेधावी छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म कर दिया था। 27 जून 2018 को मध्यप्रदेश के मंदसौर में एक सात साल की नाबालिग स्कली बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था।यह बच्ची तीसरी में पढ़ती थी। मासूम से हुई दरिंदगी व हैवानियत की यह घटना बहुत ही दिल दहलाने वाली थी। दरिंदों ने जिस बर्बरता व हैवानियित से घटना को अंजाम दिया था उससे रौगटे खडे हो जाते है। दरिंदों ने दरिंदगी की हदे पार कर दी थी। 16 दिसंबर 2012 सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्म की वारदात से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था।यह रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना बहुत ही दुखद थी।हर रोज अस्मत लूटी जा रही है।दरिंदों द्वारा हर राज्य में दरिंदगी का सामाज्य बना रहे है।दरिंदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है।जंगलराज स्थिर्तियां बन रही है।कानून को धता बताकर दरिंदें दरिंदगी का तांडव कर रहे है। दरिंदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिंदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिंदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है।वर्ष 2024 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है।साल के आठमाह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी।हर रोज दरिंदें दरिंदगी का तमाशा कर रहे है।देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है।इससे पहले कठुआ में भी एक बच्ची के साथ दरिंदगी का मामला प्रकाश में आया था। प्रतिदिन इन अपराधों में इजॉफा होता जा रहा है।देश में दरिंदगी की वारदातें कब रुकेगीं।गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था।इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था।यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। 26 मार्च 2017 को उतर प्रदेश के लखीमपुरीमें दो नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। ऐसी वारदातें खौफनाक है।रेप व हत्या की ऐसी घटनाएं दिल दहला देने वाली हैं।26 मार्च को ही नई दिल्ली में एक युवक ने एक बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने दुष्कर्म किया।देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है।फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। बीते वर्ष 2023 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिंदों ने अपनी दरिंदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई। वर्ष 2024के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारों की शुरुआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर अगस्तमाह तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हो चुकी हैं ।प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है और निरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिंदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी। गत वर्ष उत्तर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिग चचेरी बहनों से गैंगरेप का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिगों को अगवा करके उनके साथ बदूंक की नोक पर दुष्कर्म किया था। आज बाल-विवाह हो रहे है नाबालिग लड़कियों की शादियां अधेड़ो से की जा रही है ऐसे लोगों के विरुद्ध समाज को कारवाई करनी चाहिए। 16 दिसंबर 2012 को जो हादसा दिल्ली में निर्भया के साथ हुआ था उसके बाद देश में महिलाओं से होने वाले दुष्कर्मो की बाढ़ सी आ गई कि हर दिन राजधानी से लेकर शहर व गांवों में सामूहिक दुष्कर्म थमनें का नाम ही नहीं ले रहे हैं। आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं।विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही हैं।जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है।देश में आज भ्रूण हत्याएं हो रही हैं नवजात शिशु झाड़ियों व कूड़ेदानों व मंदिरों में मिल रहे है जिनमें ज्यादातर शिशु लड़कियां ही होती है। आज लड़कियों से इतनी नफरत क्यों की जा रही है आदमी यह कैसे भूल रहा है कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी। देश में ऐसे मामले प्रतिदिन घटित हो रहे हैं। नवजात व अबोध बच्चियो से दुष्कर्म हो रहे है। गत वर्ष दिल्ली में गुड़िया के साथ ऐसा ही एक दरिंदगी हुई थी जब एक किराएदार ने उसके साथ रुह कंपा देने वाला घिनौना काम किया था।दरिंदें हर जगह दरिंदगी की शरणस्थली बना रहे ।कुछ बीमार मानसिकता के लोगो ने भारत की छवि को दागदार किया है जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खात्मा करना होगा जो देश के लिए कंलक हैं।फांसी के जितने भी मामले लंबित हैं त्वरित कारवाई करके दरिंदों का सर्वनाश करना चाहिए। ताकि आने वाले समय में ऐसे अमानवीय कृत्यो पर लगाम लग सके ।यदि अब भी कानूनों में सख्ती न बरती तो ऐसे दरिंदें फिर से इन घिनौनी वारदातों को अंजाम देते रहेगें ।इसलिए अब ऐसे लोगों को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। केन्द्र सरकार को चाहिए कि देश के सार्वजनिक स्थलों पर हर समय सुरक्षा व्यवस्था कायम की जाए। सादी वर्दी में महिला पुलिस तैनात करनी चाहिए। सरकार को बिना समय गंवाए इन दरिंदों का खात्मा करना चाहिए। ऐसे दरिंदें देश के लिए घातक हैऐसे दरिंदें न जाने कैसे वातावरण में रहते होगें ।ऐसे लोगो को समाज की कोई फिक्र नहीं होती कि उनके कृत्यों से पूरा समाज द्रवित होता है । समाज में ऐसे लोग बहुत ही घातक सिद्व हो रहे है ।ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने होगे ।ऐसे दुष्कर्म सामाजिक मूल्यों का पतन दर्शातें है कि समाज में विकृत मानसिकता के लोगों का बोलबाला होता जा रहा है ।इन मामलों से इन्सानियत तार-तार हो रही है ।समाज को ऐसे अपराधिक प्रवृति के लोगों की पहचान करनी होगी । यदि अब भी समाज के लोगों ने इन दरिंदों को सबक नहीं सिखाया तो फिर से कोई और लड़कीयां व महिलाएं दरिंदों की दरिंदगी का शिकार होती रहेगी । अब समाज को जागना होगा ,दरिंदों का खात्मा करना होगा ।कानून के रखवालो को भी समाज में घटित इन हादसों पर गहराई से चितंन करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे प्रकरणों पर विराम लग सके । ऐसे लोगो को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। अगर यह प्रवृति बढ गई तो हालात बेकाबू हो जाएगें । पुलिस को भी अपने कर्तव्य का निर्वाह करना होगा ताकि पुलिस की छवि बरकरार रहे और समाज में ऐसे हादसे रूक सके । केन्द्र सरकार को भी इन हादसों पर बिना समय गंवाए इन दुष्कर्मो को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने चाहिए ताकि देश में ऐसी वारदातों की पुनरावृति न हो सके । इनका नामोनिशन मिटाना होगा। तभी बहु-बेटियों बेखौफ होकर घूम सकती है हैं।हालातों को देखते हुए सरकार को प्राथमिक स्कूलों से लेकर कालेज स्तर तक की लड़कियों को आत्म रक्षा के गुर सिखाने होगें ताकि दरिंदों को सबक मिल सके। कुछ महिलाओं ने ऐसे लोगों के खिलाफ साहस का परिचय देकर मिसाले कायम की है ऐसे लोगों को चोराहो पर सरेआम पीटना चाहिए ताकि अन्य लोगों को ऐसा दुस्साहस करने की हिम्मत न पड़े।देश के नागरिको को महिला के प्रति होने वाले अपराधों को रोकने के लिए एकजुट होना होगा। दहेज हत्या व हिसां के मामलों को रोकना होगा दहेज के लालचीयों को हवालात भिजवाना होगा।सरकारों को चाहिए की महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करने के लिए हर गांव लेकर शहर तक जागरुकता शिविर लगाने चाहिए। महिला संगठनों को भी आवाज उठानी चाहिए तथा महिलाओं की रक्षा करनी चाहिएत (लेखक – नरेन्द्र भारती,/ईएमएस) (स्वतंत्र पत्रकार, स्तंभकार)

शब्द पहेली - 8105

बाएँ से दाएँ

1.रुद्र,शिव,भैरव-4
4.आर्युवेद के जनक-3
6.भीगा हुआ-2
7.ताला(अंग्रेजी-2)
9.शेविंग करना -4
11.योग्य,अनुरूप-3
12.अल्सर-3
13.ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14.नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15.नाप जोख करना-3
17.अनुमान लगाना-3
19.उदारता,बड़प्पन-4
21.गाथा,कहानी -2
23.जनकपुत्री-2
24.जिज्ञासा,उत्साह-3
25.राजा,सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1.इच्छुक,अलमस्त-4
2.मात,पराजय-2
3.बोलने का तरीका-3
4.अचंभित-3
5.आर्ट,हुनर-2
8.गुनाह,अपराध-3
9.अटक-अटक कर बोलना-4
10.सरुर,खुमार,नशा, घमंड-2
12.नजाकत-4
15.अभिनेता,कप्तान-3
16.आनंद बोधक शब्द-2
18.सम्राट,राजा-4
19.व्यंग,परिहास-3
20.मुलायम-3
22.परात,बड़ी थाली-2
23.हलवा,एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8104 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पैरालंपिक खेलों के लिए पेरिस रवाना हुए चार पैरा-एथलीट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल 28 अगस्त से शुरु हो रहे पैरालंपिक खेलों के लिए पेरिस रवाना हो गया है। इस पहले दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पर्धाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। इन एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी गये हैं। इससे इस दल को पेरिस में स्थानीय हालातों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस बार इन खेलों में 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पर्धाओं में भाग लेगा। यह अब तक भारत का सबसे बड़ा दल है।

रवाना होने के समय मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, 'हमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान काफी अभ्यास किया है। अब समय से पहले वहां पहुंचकर हम पेरिस के हालातों के अनुसार ढ़लने का प्रयास करेंगे। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी। वहीं स्वामी ने कहा, 'पैरालिंपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी सफल होगी।

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप : भारत के रौनक ने कांस्य जीता

अम्मान (ईएमएस)। भारत के रौनक दहिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां जारी अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है। दहिया ने ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह इस चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक को सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको के हाथों हार का समाना करना पड़ा था। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की को मिला। जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से पराजित किया। अब भारत के साईनाथ पारधी के पास 51 किग्रा रेपेचेज में पदक जीतने का अवसर है।इसके लिए उन्हें बचे हुए दो मुकाबले जीतने होंगे।

गंभीर ने अपनी पसंदीदा ऑल टाइम वर्ल्ड इलेवन बनायी, तीन पाक खिलाड़ी भी शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अपनी पसंदीदा ऑल टाइम वर्ल्ड इलेवन टीम घोषित की है। हैरानी की बात ये है कि गंभीर की इस टीम में किसी भी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है। वहीं इसमें ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के तीन-तीन खिलाड़ियों को जगह मिली हैद्य। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के दो दिग्गजों को भी शामिल किया है। इसमें श्रीलंका और इंग्लैंड के एक एक खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। गंभीर ने यह टीम उन खिलाड़ियों को लेकर बनायी है जिनके खिलाफ उन्होंने खेला था इसलिए किसी भी भारतीय खिलाड़ी का नाम इसमें शामिल नहीं है।

एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर की इस वर्ल्ड इलेवन में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक, तेज गेंदबाज शोएब अख्तर और ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक को भी रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट, ओपनर मैथ्यू हेडन और ऑलराउंडर एंडयू सायमंड्स को भी जगह दी है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और तेज गेंदबाज मोर्ने मॉर्केल को भी इसमें शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा, श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन, इंग्लैंड के ऑलराउंडर एंडयू फ्लिंटॉफ भी इस टीम में शामिल हैं।

गंभीर की ऑल टाइम वर्ल्ड इलेवन

एडम गिलक्रिस्ट (ऑस्ट्रेलिया), मैथ्यू हेडन (ऑस्ट्रेलिया), एबी डिविलियर्स (दक्षिण अफ्रीका) , ब्रायन लारा (वेस्टइंडीज), एंड्रयू साइमंड्स (ऑस्ट्रेलिया), इंजमाम उल हक (पाकिस्तान), अब्दुल रज्जाक (पाकिस्तान), मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका), शोएब अख्तर (पाकिस्तान), मोर्ने मोर्कल (साउथ अफ्रीका), एंड्रयू फ्लिंटॉफ (इंग्लैंड)।

जय शाह बन सकते हैं अगले आईसीसी चेयरमैन

30 नवंबर को समाप्त हो रहा बार्कले का कार्यकाल

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अगले आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इसी साल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है। वहीं बार्कले तीसरे कार्यकाल की दौड़ से अलग हो गये हैं। ऐसे में जय शाह के इस पद पर आने की अटकलें हैं। शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक तय होगा। ये चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है। आईसीसी चेयरमैन के दो-दो साल के तीन कार्यकाल होते हैं और बार्कले के ये साल पूरे हो गये हैं।

आईसीसी ने कहा, ''बार्कले ने बोर्ड से कह दिया है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार नहीं हैं। नवंबर के अंत में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वह पद छोड़ देंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया।'' आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और अब विजेता के लिए नौ मत का साधारण बहुमत (51फीसदी) आवश्यक है। इससे पहले चेयरमैन बनने के लिए निवर्तमान के पास दो-तिहाई बहुमत होना आवश्यक था। आईसीसी ने कहा, ''मौजूदा निदेशकों को अब 27 अगस्त 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नामांकन प्रस्तुत करना होगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं तो चुनाव होगा और नए चेयरमैन का कार्यकाल एक दिसंबर 2024 से शुरू होगा।'' जय आईसीसी के बोर्ड में सबसे प्रभावशाली सदस्यों में शामिल हैं। वह अभी आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम में बदलाव नहीं हो रहा, भम्र न फैलाये मीडिया : पीसीबी

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर की जा रही बयानबाजियों पर नाराजगी जतायी है। पीसीबी ने मीडियाकर्मियों को फटकार लगाते हुए कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के भाग लेने को लेकर वे बेकार की बयानबाजियों से बचे। पीसीबी के अनुसार मीडिया ने चेयरमैन मोहसिन नकवी के बयान को भी गलत तरीके से पेश किया था। साथ ही कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हो रहा और सभी मुकाबले तय समय पर ही होंगे। इसलिए किसी प्रकार की अटकलबाजी न करें।

बोर्ड इस आईसीसी टूर्नामेंट का कार्यक्रम पूरी तरह से तय करके चल रहा है। इसी कारण स्टेडियम भी ठीक किये जा रहे हैं। इस दौरान पीसीबी प्रमुख ने स्टेडियम के पुर्ननिर्माण और सुरक्षा पर बात की थी पर मीडिया ने इस प्रकार पेश किया जिससे चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन को लेकर संशय बन गया। मीडिया रिपोर्ट्स में चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन की तारीखों में बदलाव होने की खबर सामने आई थीं। इसी को लेकर पीसीबी की तरफ से बयान जारी किया गया। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि अगले साल फरवरी में शुरू होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं हो रहा है।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, ' महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।'

'साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया। देश के हालातों को देखते हुए भाग लेने वाली टीमों की सरकारों अपनी टीम भेजने को तैयार नहीं थीं। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में हालात ठीक होने पर वैश्विक आयोजन कराना चाहेंगे।.' आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में कुल 10 टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड भाग लेंगी।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में से उछाल दुनियाभर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी शेयरों में आई बढ़त से बाजार ऊपर आया। वहीं बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स भी 0.87 फीसदी बढ़ा जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.43 फीसदी ऊपर आया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.44 अंक या 0.13 फीसदी की बढ़त लेकर 80,905.30 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला निफ्टी 71.35 अंक तकरीबन 0.29 फीसदी बढ़कर 24,770.20 पर बंद हुआ।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान के निक्केई इंडेक्स में 0.68 फीसदी की कमी आई है। जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.38 फीसदी और हांगकांग के हैंगसेंग में 0.87 फीसदी की कमी आई है। अमेरिकी बाजार डाओ जोंस 61.56 अंक करीब 0.15 फीसदी नीचे आकर 40,834 पर बंद हुआ था। दूसरी ओर नेसडेक 59.83 अंक 0.33 फीसदी नीचे आकर 17,816 पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 1,457.96 करोड़ के शेयर बेचे।

इससे पहले गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

वहीं आज सुबह बाजार बुधवार को शुरुआती कारोबार में नीचे आया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का बीएसई सेंसेक्स 111.15 अंक गिरकर 80,691.71 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी 16.20 अंक टूटकर 24,682.65 अंक पर कारोबार करता दिखा।

सेंसेक्स की 13 कंपनियों के शेयर ऊपर आये। सबसे अधिक नेस्ले इंडिया के शेयर की कीमत 1.02 फीसदी बढ़कर 2544.60 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गई। इसके अलावा, लार्सन एंड टूब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन और भारती एयरटेल के शेयर भी ऊपर आये।

सुबह गिफ्ट निफ्टी गिरावट के साथ 24,685 के स्तर पर कामकाज करता दिखा।

वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में भी गिरावट रही। इसके अलावा अमेरिकी बाजार भी मंगलवार को गिरावट दर्ज की गयी।

दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला की 117 वर्ष की उम्र में मौत

मैड्रिड (ईएमएस)। अमेरिकी मूल की स्पेनिश महिला ब्रान्यास का 117 साल की उम्र में निधन हो गया है। जेरोन्टोलॉजी रिसर्च ग्रुप के अनुसार पिछले वर्ष फ्रांसीसी नन ल्यूसिल की मृत्यु होने के पश्चात ब्रान्यास दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला थी। उनके परिवार जनों का कहना है। वह जैसे अपनी मृत्यु को चाहती थीं। वैसी ही उन्हें मृत्यु मिली है।पूरे होशो हवास में उनकी मृत्यु हुई है।

क्या बदल रही जंग की तस्वीर.....यूक्रेन ने किए ताबड़तोड़ हमले

कीव (ईएमएस)। क्या रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग का रुख बदलने लगा है। पहले यूक्रेनी सेना रूस के काफी अंदर कुर्स्क तक घुस गई, वहीं अब यूक्रेन ने मॉस्को पर ताबड़तोड़ ड्रोन हमले किए।रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ मॉस्को के आसमान में 11 से अधिक ड्रोन दिखाई। रूसी अधिकारियों ने फरवरी 2022 में जंग शुरू होने के बाद से मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया है। हालांकि दावा किया गया कि इन सभी ड्रोन को मार गिराया गया है। दरअसल रूस और यूक्रेन के बीच जंग ज्यादातर पूर्वी यूक्रेन के गांवों, जंगलों और खेतों में ही लड़ी जा रही है। ऐसा कम ही देखा गया कि 2.1 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले मॉस्को पर ड्रोन हमले किए गए है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने रूसी क्षेत्र में कुल 45 ड्रोनों को नष्ट कर दिया, जिसमें से 11 मॉस्को क्षेत्र के ऊपर, 23 ब्रांस्क के सीमावर्ती क्षेत्र में, छह बेलगोरोड क्षेत्र में, तीन कलुगा क्षेत्र में और दो कुर्स्क क्षेत्र में थे। मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि कुछ ड्रोन पोडॉल्स्क शहर के ऊपर नष्ट किए गए। मॉस्को क्षेत्र का यह शहर क्रेमलिन से करीब 38 किलोमीटर दक्षिण में है। सोबयानिन ने कहा, ड्रोन के जरिये मास्को पर हमला करने का यह अब तक का सबसे बड़ा प्रयास है। उन्होंने कहा, 'मास्को की मजबूत हवाई सुरक्षा ने दुश्मन के सभी यूएवी से हमलों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

यह हमला उस समय में हुआ है जब रूस पूर्वी यूक्रेन में आगे बढ़ रहा है, जहां उसका लगभग 18 प्रतिशत क्षेत्र पर कब्जा है। रूस कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की घुसपैठ को रोकने के लिए भी जूझ रहा है। यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद से रूसी क्षेत्र पर सबसे बड़ा हमला है।

एमपॉक्स के तेज फैलाव ने बढ़ाई चिंता

डब्ल्यूएचओ ने घोषित की स्वास्थ्य आपदा

जिनेवा (ईएमएस)। अफ्रीका में एमपॉक्स वायरस के तेज फैलाव को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा घोषित किया है। मगर एमपॉक्स क्या है, यह मूल रूप से कहां से फैली और दुनिया इस खतरे का मुकाबला किस तरह कर सकती है? इसे लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। एमपॉक्स के फैलाव ने कोविड-19 और एचआईवी संक्रमण के शुरुआती दिनों जैसा डर भी उत्पन्न कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के यूरोप में क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर हैंस क्लूगे ने मंगलवार को इन चिन्ताओं को खारिज कर दिया। उन्होंने इसके बारे में अहम जानकारी दी।

क्या है एमपॉक्स और कैसे फैलता है

एमपॉक्स 1958 में सामने आया। जब प्रयोगशाला के कई बंदरों में इस वायरस के होने की पुष्टि हुई। यह एक जूनोटिक वायरल रोग है। यह जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता है और इंसान से इंसान में भी इसका प्रसार हो सकता है। मानव एमपॉक्स की पहचान पहली बार 1970 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में एक नौ महीने के लड़के में हुई थी। एमपॉक्स कुछ साल पहले मध्य और पश्चिम अफ्रीका में एक स्थानीय बीमारी थी, मगर वर्ष 2022 में इसने एक वैश्विक संक्रमण फैलाव किया। इसके बाद डब्ल्यूएचओ को एमपॉक्स को जुलाई में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा घोषित करना पड़ा। एमपॉक्स के रोगियों में पहले देखे गए लक्षण चेचक के समान होते हैं। लेकिन यह चिकित्सकीय रूप से कम गंभीर है। 2003 में अफ्रीका के बाहर एमपॉक्स का पहला मामला अमेरिका में दर्ज किया गया था और इसे संक्रमित पालतू प्रैरी कुत्तों संपर्क से जोड़ा गया था। इसका नाम एमपॉक्स है, लेकिन कृंतक जैसे गैम्बियन विशाल चूहे या पेड़ों की गिलहरी जैसे अधिकांश जानवर इससे संक्रमित हो सकते हैं और फिर आगे लोगों को संक्रमित कर सकते हैं।

यह आमतौर पर कहां पाया जाता है?

एमपॉक्स सबसे अधिक मध्य और पश्चिमी अफ्रीका के वर्षा वनों में पाया जाता है और वह जानवर जिनमें ये वायरस हो सकता है, वे वहां के मूल निवासी हैं। इन देशों में यह बीमारी तेजी से शहरी क्षेत्रों में देखी जा रही है। कभी-कभी यह उन लोगों में भी पाया जा सकता है, जो इन देशों का दौरा करने के बाद संक्रमित हुए हों। इसके लक्षणों में आमतौर पर बुखार, तेज सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, शरीर में ऊर्जा की कमी, सूजी हुई गांठें और त्वचा पर चकत्ते या घाव शामिल हैं। त्वचा पर ये दाने और चकत्ते, आमतौर पर बुखार की शुरुआत के पहले या तीसरे दिन होते हैं। ये घाव चपटे या थोड़े उभरे हुए हो सकते हैं, जिनमें साफ या पीले रंग का तरल पदार्थ भरा होता है, फिर सूखकर इनकी पपड़ी बनकर गिर जाती है।

मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने किया शानदार प्रदर्शन

मुंबई (ईएमएस)। पिछले एक साल में भारतीय शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला जारी है। सेंसेक्स और निफ्टी में इस दौरान 28 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है, जबकि मिडकैप इंडेक्स में 56 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 59 फीसदी की तेजी आई है। हालांकि, जुलाई में केवल 39 फीसदी एक्टिव फंड्स ही अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर रिटर्न देने में सफल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले माह कोई भी स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड अपने बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी स्मॉलकैप 250 टीआरआई को पीछे नहीं छोड़ सका। वहीं, 58 प्रतिशत लार्जकैप फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स को आउटपरफॉर्म किया।

पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की सभी श्रेणियों में मिड कैप म्यूचुअल फंड्स ने सबसे अधिक रिटर्न दिया, जिसका औसत 51.36 प्रतिशत रहा। इसके मुकाबले लार्जकैप फंड्स ने औसतन 33 प्रतिशत और स्मॉलकैप फंड्स ने 47 प्रतिशत रिटर्न दिया। इंडेक्स फंड निफ्टी 50, सेंसेक्स, बैंक निफ्टी जैसे इंडेक्स की नकल करते हैं और इनमें शामिल कंपनियों में वेटेज के हिसाब से निवेश करते हैं। इनका रिटर्न उस इंडेक्स के बराबर होता है जिसे ये ट्रैक करते हैं।

इक्विटी फंड श्रेणी में सेक्टोरल व थीमैटिक फंड सबसे निकल चुके हैं। इनका एयूएम पिछले एक साल के दौरान बढ़कर दोगुना से अधिक हो चुकी है। सभी म्यूचुअल फंड योजनाओं में इस श्रेणी को सबसे अधिक जोखिम वाला समझा जाता है। सेक्टोरल व थीमैटिक फंड की एयूएम जुलाई 2023 में महज 2 लाख करोड़ रुपए था जो बढ़कर जुलाई 2024 के अंत तक 4.21 लाख करोड़ रुपए हो चुका है।

आरबीआई गवर्नर दूसरी बार बने टॉप बैंकर, मिली ए प्लस रेटिंग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास को अमेरिका की एक पत्रिका ने ए प्लस रेटिंग दी है। आरबीआई ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लगातार दूसरे साल आरबीआई गवर्नर दास को ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2024 में 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है। दास को तीन केंद्रीय बैंक गवर्नरों की सूची में शीर्ष पर रखा गया है, जिन्हें 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, आर्थिक वृद्धि लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन में सफलता के लिए श्रेणी 'ए' से 'एफ' के पैमाने पर रेटिंग दी गई है। यहां 'ए' सफल प्रदर्शन तो 'एफ' विफलता को दर्शाता है। डेनमार्क के क्रिश्चियन केटल थॉमसन, भारत के शक्तिकान्त दास और स्विटजरलैंड के थॉमस जॉर्डन को केंद्रीय बैंकरों की 'ए प्लस' श्रेणी में स्थान दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय बैंकरों ने पिछले कुछ सालों में मुद्रास्फीति के खिलाफ युद्ध छेड़ा है, जिसमें उन्होंने उच्च ब्याज दरों के रूप में अपना प्राथमिक हथियार इस्तेमाल किया है। अब दुनिया के देश इन प्रयासों के ठोस परिणाम देख रहे हैं, क्योंकि मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल फाइनेंस के वार्षिक सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड उन बैंक नेताओं को सम्मानित करते हैं जिनकी रणनीतियों ने मौलिकता, रचनात्मकता और दृढ़ता के जरिए से अपने साथियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। ग्लोबल फाइनेंस द्वारा 1994 से प्रतिवर्ष प्रकाशित सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड यूरोपीय संघ, पूर्वी कैरिबियन सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ सेंट्रल अफ्रीकन स्टेट्स और सेंट्रल बैंक ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स सहित करीब 100 देशों, क्षेत्रों और जिलों के केंद्रीय बैंक गवर्नरों को ग्रेड देते हैं।

बीएनपी नेता ने उगला भारत के खिलाफ जहर.....हसीना को शरण देकर अच्छा नहीं किया

शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग उठने लगी

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में खूनी बवाल के बाद सत्ता परिवर्तन हो गया। आरक्षण की आंधी में शेख हसीना को कुर्सी चली गई। उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी है। मगर भारत में भी उनकी मुसीबत उनका साथ नहीं छोड़ रही। अब उनके प्रत्यर्पण की मांग भी जोर पकड़ने लगी है। सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर विचार कर रही है। इस बीच खालिदा जिया के सिपहसालार ने भारत के खिलाफ जहर उगला है।

दरअसल, बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी यानी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है, ताकि उन पर बांग्लादेश में मुकदमा चलाया जा सके। शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में हत्या सहित कई मामले दर्ज हैं। मंगलवार तक उनके खिलाफ दर्ज केसों की संख्या करीब 25 पहुंच चुकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, 'हमारी भारत से अपील है कि वह शेख हसीना को कानूनी तरीके से बांग्लादेश सरकार को सौंप दे। आलमगीर का कहना है कि शेख हसीना को शरण देकर भारत ने ठीक नहीं किया है। यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बरकरार रखने की प्रतिबद्धता के अनुरूप नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि शेख हसीना भारत में रहकर बांग्लादेश में हुई क्रांति को विफल करने के लिए साजिशें रच रही हैं। हसीना को लेकर उन्होंने कहा, 'मैं यह बात दृढ़ता से कह रहा हूं और मुझे नहीं लगता कि भारत को बांग्लादेश के लोगों के दुश्मन (शेख हसीना) को पनाह देकर ज्यादा प्यार मिल सकता है, जिसे देश से भागना पड़ा था। हालांकि, शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने हसीना पर दर्ज मामलों को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की आलोचना की है।

बात दें कि भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्रत्यर्पण संधि है। नई दिल्ली और ढाका के बीच 2013 में प्रत्यर्पण संधि पर समझौता हुआ था। इस संधि के तहत दोनों देशों को उन लोगों को एक-दूसरे के हवाले करना जरूरी है, जिनके खिलाफ किसी भी अपराध के लिए अदालतों में कार्रवाई शुरू की गई हो। इस संधि के तहत कुछ भगोड़ों को भारत लाया गया है, तब कुछ को बांग्लादेश वापस भी भेजा गया है। साल 2016 में इस प्रत्यर्पण संधि में संशोधन हुआ था। इन अपराधों में वित्तीय अपराध भी शामिल हैं, जिसमें एक साल या उससे अधिक की सजा हो सकती है। बीएनपी का कहना है कि शेख हसीना के खिलाफ दर्ज हत्या और जबरन एक्सटॉर्शन के मामले प्रत्यर्पण वाले कैटेगरी में हैं।

अब सवाल उठता है कि क्या हसीना को भारत से बांग्लादेश प्रत्यर्पित किया जा सकता है? इस पर सूत्रों का कहना है कि भारत बांग्लादेश की मांग को ठुकरा भी सकता है। यह द्विपक्षीय संधि उन मामलों पर लागू नहीं होती है जो 'राजनीतिक प्रकृति के होते हैं'। अगर बांग्लादेश हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करता है, तब भारत के पास ठुकराने को सॉलिड जवाब है। भारत संधि के अनुच्छेद 8 का हवाला देकर शेख हसीना के प्रत्यर्पण के किसी भी मांग को ठुकरा सकता है। यह अनुच्छेद दोनों देशों को उन अनुरोधों को ठुकराने की अनुमति देता है जो 'ईमानदारी से और न्याय के हित में नहीं' किए गए हैं।

बांग्लादेश के इतिहास में वर्तमान हिंसा और अराजकता सबसे खतरनाक

-2005 में 300 स्थानों पर हुए बम विस्फोट से दहल गया था देश

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश की आजादी के 53 साल के इतिहास में हिंसा और अराजकता नई बात नहीं है। वहां दो बार तख्ता पलट हो चुका है। इसके अलावा शेख हसीना से पहले पीएम काजी जफर अहमद को दिसंबर 1990 को देश छोड़ना पड़ा था। मौजूदा समय में देश अराजकता के जिस दौर से गुजर रहा है, वह कम से कम इस सदी की सबसे खराब स्थिति है। 2005 के आतंकी हमलों से भी खराब, जब आधे घंटे में 300 स्थानों पर हुए बम विस्फोट ने बांग्लादेश को हिला कर रख दिया था।

बांग्लादेश में कई दिनों से जारी आरक्षण विरोधी आंदोलन के हिंसात्मक होने के बाद तत्कालीन पीएम शेख हसीना अपने पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भारत आ गई थीं, लेकिन उनके इस्तीफे के बाद भी देश में हिंसा खत्म नहीं हुई। इस हिंसा में कई लोगों की जानें गईं और कई घायल हुए। अराजकता की इस स्थिति ने एक बार फिर 17 अगस्त 2005 की याद ताजा कर दी। उस दिन बांग्लादेश के 64 जिलों में से 63 में 300 स्थानों पर आधे घंटे के अंदर करीब 500 बम विस्फोट हुए थे। इन बम धमाकों में कम से कम 115 लोग घायल हुए थे इसके बाद पूरे देश में अराजकता फैल गई थी। आतंकवादी संगठन जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश ने हमलों की जिम्मेदारी ली थी।

आज स्थिति इसलिए खतरनाक है कि हिंसा का दौर आधे घंटे तक सीमित नहीं है। करीब दो महीने से यह लगातार जारी है। इसमें अराजकता फैलाने वाले आतंकवादी नहीं, बल्कि देश के ही लोग हैं। देश के बहुसंख्यकों और अल्पसंख्यकों के बीच जो दरार बढ़ी है, उसे पाटने में सालों लग जाएंगे। यूं तो शेख हसीना की सरकार के खिलाफ लोकतंत्र समर्थक समूहों ने पिछले कुछ सालों में कई आंदोलन किए, लेकिन जिस आंदोलन ने उन्हें पीएम का पद और देश छोड़ने को विवश कर दिया उसकी शुरुआत जून में हुई। 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के रिश्तेदारों को नौकरियों में 30 फीसदी आरक्षण को फिर बहाल करने के फैसले से छात्रों को लगा कि उनका हक छीना जा रहा है। उन्होंने आंदोलन शुरू कर दिया। धीरे-धीरे आरक्षण के विरोध में शुरू हुआ आंदोलन सरकार विरोधी हो गया। आखिरकार शेख हसीना को देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा।

जब......पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में घुसी भीड़

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईश निंदा के फैसले से नाराज सैकड़ों कट्टरपंथियों की भीड़ ने सुप्रीम कोर्ट पर धावा बोल दिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा की आलोचना की। उन्होंने एक अहमदिया व्यक्ति को राइट टु रिलीजन के तहत ईशनिंदा के आरोपों से बरी किया था। यह घटना सोमवार की है, लेकिन मीडिया पर इसका वीडियो अब सामने आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व आलमी मजलिस तहफ्फुज-ए-नबूवत कर रही थी। इसमें उनका साथ जमात-ए-इस्लामी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के नेता भी दे रहे थे। वे पाकिस्तान के चीफ जस्टिस का इस्तीफा मांग रहे थे। उनकी मांग थी कि अदालत अपने फैसले को बदले। रिपोर्ट में कहा गया कि हजारों प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया। वे इमारत के नजदीक पहुंच गए। उन्हें कोर्ट में घुसने से रोकने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन, आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया। अब प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन आलमी मजलिस ने सुप्रीम को अपने फैसले की समीक्षा के लिए सात सितंबर तक का वक्त दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक विवाद की शुरुआत इस साल 6 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदिया समुदाय के मुबारक अहमद सानी को रिहा करने का आदेश दिया था। सानी को जनवरी 2023 में गिरफ्तार किया गया था। सानी पर आरोप था कि उसने 2019 में एक कॉलेज में एफसीआर-ए-सगीर बांटा था। एफसीआर-ए-सगीर, अहमदिया समुदाय से जुड़ी एक धार्मिक किताब है। इसमें अहमदिया संप्रदाय के संस्थापक के बेटे मिर्जा बशीर अहमद ने कुरान की व्याख्या अपने हिसाब से की है। सानी को कुरान (प्रिंटिंग एंड रिकॉर्डिंग) (संशोधन) एक्ट, 2021 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

भारत में लैंड कर रहे तीन बड़े अंडरसी केबल प्रोजेक्ट्स, बढ़ेगी डिजिटल कनेक्टिविटी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी में अब बढ़ा सुधार होने वाला है। तीन बड़े अंडरसी केबल प्रोजेक्ट्स- 2अफ्रीका पर्ल्स, इंडिया-एशिया-एक्सप्रेस(आईएएक्स) और इंडिया-यूरोपीय एक्सप्रेस(आईईएक्स) अक्टूबर से मार्च के बीच चालू होने वाले हैं। ये प्रोजेक्ट्स मौजूदा क्षमता को चार गुना से ज्यादा बढ़ा देंगे। 2अफ्रीका, जो दुनिया के सबसे लंबे अंडरसी केबल सिस्टम्स में से एक है और 45 हजार किमी से ज्यादा लंबा है, इसमें भारती एयरटेल और मेटा समेत अन्य निवेशक शामिल हैं। इसकी क्षमता 180 टेराबिट्स प्रति सेकंड होगी और यह 33 देशों को जोड़ेगा, जिसमें मुंबई में सुनील मित्तल के नेतृत्व वाली एयरटेल का लैंडिंग स्टेशन भी शामिल है। आईएएक्स और आईईएक्स में रिलायंस जियो का भी योगदान है।

आईएएक्स और आईईएक्स मुंबई और चेन्नई में लैंडिंग करेंगे, जो भारत की वैश्विक टेलीकॉम बाजार में स्थिति को मजबूत करेंगे। आईईएक्स की क्षमता 200 टेराबिट्स प्रति सेकंड से ज्यादा होगी, जो मुंबई से पर्शियन गल्फ और यूरोप तक 9,775 किमी तक फैलेगा। आईएएक्स की क्षमता भी 200 टेराबिट्स प्रति सेकंड से ज्यादा होगी, जो मुंबई से शुरू होकर सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड और श्रीलंका तक 16 हजार किमी से ज्यादा तक फैलेगा। अंडरसी केबल्स समुद्र के तल पर रखे गए हाई-कैपेसिटी ऑप्टिक फाइबर पेयर्स होते हैं जो उच्च गति डेटा एक्सचेंज के लिए वैश्विक कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि ये तीन प्रोजेक्ट्स क्षमता को बढ़ाएंगे, साथ ही 5जी वीडियो स्ट्रीमिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करेंगे, जिससे डेटा सेंटर ऑपरेटरों से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होंगे। 2023 तक भारत में 14 स्टेशनों पर 17 अंतरराष्ट्रीय अंडरसी केबल्स थीं, जिनकी कुल क्षमता 138.55 टेराबिट्स प्रति सेकंड और उपयोग क्षमता 111.11 टेराबिट्स प्रति सेकंड थी, ट्राई के मुताबिक इन केबल्स के कुछ चरण पहले ही अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के हिस्सों में पहुंच चुके हैं और परीक्षण चल रहा है। ये टेल्को कार्यकारी ने कहा कि समय-सीमा थोड़ी प्रभावित हुई क्योंकि मार्च में रेड सी में अशांति के कारण बीमा कंपनियों ने केबल-लेईंग जहाजों के लिए कवर हटा लिया था। अब सब सामान्य है और केबल्स की कमीशनिंग देर से होगी।

भारतीय कंपनियों में महिला यौन उत्पीड़न की शिकायतें बढ़ीं

बैंकिंग और टेक कंपनियों में सबसे ज्यादा मामले सामने आए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत की टॉप कंपनियों में फाइनल ईयर 2024 में महिला यौन उत्पीड़न की शिकायतों में 40फीसदी बढ़ गई हैं, जो कॉर्पोरेट पारदर्शिता की दिशा में एक अहम बदलाव को दर्शाता है। आंकड़ों के मुताबिक महिला यौन उत्पीड़न की शिकायतों में 40.4फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 268 मामले ज्यादा दर्ज हुए।

रिपोर्ट के मुताबिक बीएसई 30 कंपनियों ने 2024 में कुल 932 शिकायतें दर्ज कीं, जबकि पिछले साल 2023 में यह संख्या 664 थी। ज्यादातर शिकायतों की वृद्धि बैंकिंग और टेक्नोलॉजी सेक्टर से आई है। पीओएसएच समितियों के सदस्य मानते हैं कि महिलाओं में यौन उत्पीड़न रोकथाम (पॉक्सो) कानून के प्रति बढ़ती जागरूकता और कंपनियों द्वारा ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करने के प्रयासों के कारण शिकायतों में वृद्धि हुई है। विशेषज्ञ का कहना है कि यह वृद्धि कर्मचारियों के बीच बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है, जिससे ज्यादा महिलाएं सामने आ रही हैं और शिकायतें दर्ज करवा रही हैं।

पांच हजार लोगों पर 43 लाख करोड़ बकाया, इनकम टैक्स वसूलेगा पाई-पाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। इनकम टैक्स विभाग वसूली को लेकर सख्त रुख अपना रहा है। विभाग ने अपने अधिकारियों से 43 लाख करोड़ की टैक्स डिमांड वाले पांच हजार मामलों पर फोकस करने को कहा है। विभाग इसके जरिए, रिकवरी में सुधार और मुकदमेबाजी में फंसी राशि को कम करना चाहता है। इसमें उच्च अधिकारियों की एक स्पेशल टीम बनाकर ऐसे मामलों की समीक्षा कर उनकी सूची सितंबर तक सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स विभाग को देने को कहा है।

ये सारी कवायद सेंट्रल एक्शन प्लान के मुताबिक की जा रही है। इसे उद्योग और सरकार दोनों के बीच मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। इनकम टैक्स विभाग सेंट्रल एक्शन प्लान के तहत खासतौर पर टॉप पांच जहार टैक्स डिमांड वाले मामलों पर नजर रखेगा, जिनसे 43 लाख करोड़ से ज्यादा की वसूली की जानी है। यह कुल टैक्स डिमांड का करीब 60फीसदी है।

इंडस्ट्री और सरकार दोनों के लिए मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने के चलते आयकर विभाग ने वर्ष 2024-25 के लिए सेंट्रल एक्शन प्लान (कैप) लॉन्च किया है। इस योजना का मकसद ज्यादा कुशल, पारदर्शी और करदाता-अनुकूल प्रणाली बनाना है। इस प्लान में टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन को बढ़ाने, रेवेन्यू कलेक्शन को अनुकूलित करने, बकाया मांग के अंतर को कम करने और टैक्सपेयर सर्विसेज में सुधार करने जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं।

बांग्लादेश में कम से कम तीन साल राज करना चाहती है यूनुस सरकार, अवामी लीग पर लग सकता है प्रतिबंध

ढाका (ईएमएस)। हाईकोर्ट में दायर याचिका में भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों की सामूहिक हत्या के लिए अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने और राजनीतिक दल के रूप में उसका पंजीकरण रद्द करने का भी अनुरोध किया गया है। याचिका में उन्होंने संबंधित प्राधिकारों को पूर्व प्रधानमंत्री हसीना (76) के नाम पर स्थापित संस्थानों के नाम बदलने तथा विदेश में कथित रूप से जमा किए गए 11 लाख करोड़ टका को देश में वापस लाने का आदेश देने का अनुरोध किया। याचिका में इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश में प्रदर्शन के दौरान छात्रों के मारे जाने में पार्टी की कथित संलिप्तता का हवाला दिया गया। खबर के अनुसार, याचिका दायर करने वाले मानवाधिकार संगठन सारदा सोसाइटी के कार्यकारी निदेशक आरिफुर रहमान मुराद भुइयां ने अदालत से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली मौजूदा अंतरिम सरकार का कार्यकाल न्यूनतम तीन वर्ष तक बढ़ाने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया।

खबर के अनुसार, याचिका में अदालत से अवामी लीग के शासन के दौरान अनुबंध के आधार पर नियुक्त अधिकारियों को स्थानांतरित करने की भी मांग की गई है। इस बीच, बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में, अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके मंत्रिमंडल के पूर्व सदस्यों सहित 26 अन्य के खिलाफ कथित नरसंहार और मानवता के विरुद्ध अपराध की सोमवार को शिकायत दायर की गई। हाल में भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान मारे गए शहरयार हसन अल्वी के पिता मोहम्मद अबुल हसन ने आईसीटी की जांच एजेंसी में हसीना (76) सहित उनके 27 सहकर्मियों तथा 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दायर की है। हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के खिलाफ जुलाई के मध्य से छात्रों का विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद 600 से अधिक लोग मारे गए।

क्या है मदीना मॉडल......भारत में दिखाई देती है जिसकी खूबसूरती

-जमात-ए-इस्लामी के नेता का बयान

ढाका (ईएमएस)। जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. शफीकुर रहमान का कहना है कि 'हम विचारधारा पर चलने वाली पार्टी हैं। कोशिश होगी कि बांग्लादेश को अपनी विचारधारा से चलाएं। इस्लाम हर किसी को जगह देता है। ये देश में सिर्फ मुस्लिमों को ही रहने के इजाजत नहीं देता, बल्कि हर कम्युनिटी सुरक्षा और सम्मान के साथ रह सकती है। यही मदीना मॉडल है। भारत में भी आप इसी की खूबसूरती देख सकते हैं।'

बांग्लादेश में जो हुआ उसके पर कहते हैं कि यह छात्रों की ताकत थी। वे अपना अधिकार मांग रहे थे। उनकी मांग सही थी, लेकिन शेख हसीना सरकार ने सख्ती दिखाई। सरकार के रवैए की वजह से आंदोलन हिंसक हो गया। कितनी जानें चली गईं। फोर्स के लोगों की भी मौत हुई है। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामिक राजनैतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. रहमान ने कहा कि बांग्लादेश को संविधान और लोकतंत्र से चलना चाहिए या इस्लामिक कानून से जैसे सवाल पर उन्होंने अपनी दलील रखी है।

जमात के लीडर्स पर कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों पर हमले के आरोप लगते रहे हैं। आरोप ये भी है कि शेख हसीना के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन में जमात का कैडर शामिल था। जमात-ए-इस्लामी खुद को पाकिस्तान परस्त बताती रही है।

हालांकि डॉ.रहमान ने कहा कि पाकिस्तान के लिए कुछ भी स्पेशल नहीं है। भारत के बारे में कहा कि हम बराबरी वाला रिश्ता रखना चाहते है।

फिर जगी उम्मीद.....इजरायल और हमास के बीच शांतिवार्ता के प्रयास

अमेरिका के नेतृत्व में अगले सप्ताह काहिरा में बैठक

गाजा (ईएमएस)। इजरायल और हमास के बीच पिछले हफ्ते दोहा में एक शांति वार्ता हुई थी। जिसमें दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर एक ड्रॉफ्ट तैयार हुआ। तब कहा गया था कि अगले हफ्ते मिस्र के काहिरा शहर में जो वार्ता होगी, उसमें सीजफायर का ऐलान होगा। शांति वार्ता में शामिल होने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजरायल की राजधानी तेल अवीव पहुंच चुके हैं। अमेरिका के अलावा शांति वार्ता में मिस्र और कतर भी शामिल हैं। अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों को यकीन है कि इस बार जंग रोकने के लिए कोई न कोई हल जरूर निकलेगा।

एक ओर सीजफायर का ऐलान होने की बात हो रही है। वहीं, इजरायल ने हमास पर रॉकेटों की बारिश कर दी है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी शहर जबालिया में एक रिहायशी इमारत के दो अपार्टमेंट्स पर हमला हुआ, जिसमें एक ही परिवार के कम से कम 19 लोग मारे गए। उधर, जेनिन में इजरायली सेना ने ड्रोन से हमला कर हमास के दो कमांडरों को मार गिराया। मारे गए दोनों लोग हमास के लोकल कमांडर राफत दवासी और अहमद अबू अरा हैं।

बातचीत कौन कर रहा है?

इजरायल के प्रतिनिधिमंडल में आमतौर पर मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया शामिल होते हैं। उनके अलावा रोनेन बार, शिन बेट या आंतरिक सुरक्षा सेवाओं के प्रमुख और मेजर जनरल निट्ज़न अलोन बंधक मामलों के लिए सेना के प्रतिनिधि के तौर पर होते हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सहयोगी ओफिर फाल्क ने भी प्रधानमंत्री की आंख और कान के रूप में कुछ वार्ताओं में भाग लिया है। पिछले दौर में, बातचीत करने वाली टीम के सदस्यों ने कथित तौर पर फाल्क को बैठकों में शामिल करने से इंकार किया था।

हमास की टीम का नेतृत्व अनौपचारिक विदेश मंत्री खलील अल-हय्या करते हैं, जो कतर में रहते हैं। हय्या राजनीतिक प्रमुख हनियेह की करीबी थीं, जिनकी पिछले महीने हत्या कर दी गई थी। गाजा में अपने संकटग्रस्त नेता याह्या सिनवार को पोलित ब्यूरो का नया प्रमुख बनाने के समूह के फैसले का वार्ता पर बहुत कम व्यावहारिक प्रभाव है, लेकिन कुल मिलाकर यह समूह की ओर से अधिक कठोर रुख का संकेत है। वार्ता की मध्यस्थता अमेरिका, कतर और मिस्र ने की है। सीआईए के निदेशक, विलियम बर्न्स, कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री, शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और मिस्र के खुफिया प्रमुख और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के दाहिने हाथ अब्बास कामेल ने अधिकांश वार्ताओं में भाग लिया है।

क्या हुआ था नवंबर में

पिछले साल नवंबर में इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम केवल एक सप्ताह में समाप्त हो गया था। तुरंत ही हमास ने इजरायल पर रॉकेटों की बौछार की और इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में युद्ध अभियान फिर से शुरू कर दिया। अब बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई युद्ध जल्द समाप्त नहीं होगा। प्रत्येक पक्ष ने वार्ता में विफलता के लिए दूसरे को दोषी ठहराया। हमास द्वारा संचालित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि इजरायली हवाई हमलों में 15,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

जब...5 साल के बच्चे ने बताया ये मेरा पुनर्जन्म

वाशिंगटन (ईएमएस)। हिंदू धर्म सहित कई और धर्मों में भी इंसान की मृत्यु के बाद उसके पुनर्जन्म की कथाएं कही गई हैं। हालांकि इन्हें महसूस करना और देखना हर किसी के बस की बात नहीं है। लेकिन आज हम एक ऐसे बच्चे की कहानी बताएंगे, जिसने छोटी सी उम्र में ही बताया कि अपना पिछला जन्म याद है और ये उसका पुनर्जन्म है। बच्चे ने 5 साल की मासूम उम्र में दावा किया कि वे टाइटैनिक हादसे में डूबकर मरा था। वे होश संभालते से ही गहरे पानी को देखकर डर जाता था। बड़े होने के बाद बच्चे ने दावा किया कि वे पिछले जन्म में टाइटैनिक शिप का आर्किटेक्ट था और हादसे में अपनी जान गंवा बैठा था।

रिपोर्ट के मुताबिक जेमी नाम के एक लड़के ने 5 साल की उम्र में दावा किया था कि वह नॉर्थ अटलांटिक महासागर में साल 1912 में डूबकर मरा था। जेमी की मां बताती हैं कि बच्चे को छोटी सी उम्र से ही गहरे पानी से डर लगता था। जब टाइटैनिक फिल्म देखी तब बेटा अंत देखने से पहले ही डर गया। बेटे ने करीब 50 तस्वीरें बनाई, जिसमें टाइटैनिक डूबती हुई दिख रही थी। ये तस्वीरें उसी घटना को दिखा रही थीं, जो साल 1912 में हुई थी। जेमी को टाइटैनिक के इंटीरियर से लेकर उसकी खिड़कियां तक याद थीं।

यहां तक की आर्किटेक्ट से जुड़ी हुई सारी कहानियां उसने बचपन में सुनाई थीं, जो अलग-अलग जगहों पर छप चुकी थीं। जेमी की मां ने बोला कि वहां एक दिन अपने कमरे में किसी आदमी की तरह जोर-जोर से शिप के डूबने पर चिल्ला रहा था। वहां दिन काफी डरावना था लेकिन तब से उसने टाइटैनिक के बारे में बातें करनी कम कर दी।

गुजरात में अब टोना-टोटका करने वालों की खैर नहीं, जमानत मिलना तो दूर 7 साल तक की सजा का प्रावधान

- गुजरात विधानसभा में अंधश्रद्धा विरोधी विधेयक सर्वानुमति से पारित

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात विधानसभा ने मानव बलि और अन्य अमानवीय, दुष्ट और नृशंस प्रथाओं, रोकथाम और काला जादू उन्मूलन विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। गुजरात विधानसभा में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने यह विधेयक पेश किया, जो चर्चा के बाद सर्वानुमति से पारित हो गया। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने सदन में विधेयक पेश करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्य में अंधविश्वास के नाम पर प्रताड़ित होने वाले नागरिकों की सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्प के साथ ऐसी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए कानून बनाया है। यह नया कानून मानव बलि और अन्य अमानवीय, बुरी और क्रूर प्रथाओं, काले जादू को रोकने के लिए लाया गया है। यह विधेयक धर्म और गैर-धर्म के बीच महत्वपूर्ण अंतर को स्पष्ट करेगा, लोगों की आस्था और विश्वास से जुड़ी सभी धार्मिक गतिविधियां सम्मानजनक हैं। इस विधेयक को विधानसभा में पेश करते हुए गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि गुजरात में कई परिवारों ने इस काला जादू और अन्य अमानवीय गतिविधियों के कारण अपने परिवार के सदस्यों और अपने बच्चों और विशेष रूप से बहनों और बेटियों को खो दिया है। यह कानून काला जादू करने वाले ढोंगियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा और ऐसी गतिविधियों से गुजरात की भोली-भाली जनता को बचाने के लिए एक ठोस कदम साबित होगा। इस कानून के प्रावधानों के उल्लंघन पर सजा की जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि इस कानून के प्रावधानों के उल्लंघन पर छह महीने से सात साल तक की कैद और पांच हजार से पचास हजार तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा किसी अपराध को करने में सहायता करना या उकसाना या ऐसा अपराध करने का प्रयास करना इस अधिनियम के तहत अपराध माना जाएगा और तदनुसार दंडित किया जाएगा। इसी धारा के तहत यह प्रावधान किया गया है कि यह अपराध पुलिस क्षेत्राधिकार का होगा और गैर-जमानती होगा। यानी पुलिस को इस अपराध के तहत आरोपी को गिरफ्तार करने का सीधा अधिकार दिया गया है। यदि इस अधिनियम में आस्था और अंधविश्वास के बीच संवेदनशील अंतर में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो राज्य सरकार दो साल की समय सीमा के भीतर धारा-13 के तहत दो साल की समय सीमा में इस अधिनियम के प्रावधानों से असंगत न होने वाला प्रावधान कर सकती है, यानी अधिनियम में प्रावधान है दो वर्ष की सीमा के भीतर विसगंति को दूर करना। विधानसभा के सदन में यह बिल सर्वानुमति से पारित हो गया।

गुजरात विधानसभा ने मोदी के लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने पर बधाई प्रस्ताव पारित किया

- मुख्यमंत्री ने सदन के नेता के रूप में पंद्रहवीं गुजरात विधानसभा के पांचवें सत्र के पहले दिन बधाई प्रस्ताव पेश किया

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री और गुजरात विधानसभा के नेता भूपेंद्र पटेल ने हाल ही में हुए लोकसभा के चुनावों में 140 करोड़ भारतवासियों द्वारा नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार सेवादायित्व सौंपने के लिए उन्हें पूरे गुजरात की ओर से बधाई देते हुए प्रस्ताव पारित किया। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में साफ तौर पर कहा कि एक सामान्य जमीनी कार्यकर्ता से लेकर लगातार तीन बार देश का प्रधानमंत्री बनना एक असाधारण घटना है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के नेता के रूप में गुजरात के सपूत नरेन्द्र मोदी ने दुनिया भर में भारत और विशेषकर गुजरात का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सदन के नेता के रूप में पंद्रहवीं गुजरात विधानसभा के पांचवें सत्र के पहले दिन की कार्यवाही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार देश की कमान संभालने के लिए नियम-120 के अंतर्गत बधाई देने के लिए विधानसभा में सरकारी प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और सदन के तत्कालीन नेता के रूप में डेढ़ दशक तक सुदीर्घ सेवाएं प्रदान कर विकास के जो नए मील के पत्थर स्थापित किए हैं, उसी का नतीजा है कि गुजरात आज विकास का रोल मॉडल बन गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आजादी के बाद जन्मे भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार दो कार्यकाल तक देश का सफलतापूर्वक एवं निर्णायक नेतृत्व कर पूरी दुनिया में भारत की विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले 10 वर्षों के सुशासन के ट्रैक रिकॉर्ड में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के मद में पूंजीगत व्यय की राशि वार्षिक 18 फीसदी की वृद्धि दर के साथ इस वर्ष के बजट में 11 लाख करोड़ रुपए हो गई है, यह भी एक विकास प्रेरक बात है।

साइबर क्राइम और ड्रग्स गुजरात पुलिस के लिए चुनौतीः डीजीपी

अहमदाबाद, मंगलवार (प्रतिनिधि द्वारा)

डीजीपी ने गुजरात में कानून व्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से चर्चा करने और चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक निर्णय लेने के लिए राज्य के पुलिस आयुक्तों और नौ रेंज अधिकारियों के साथ अहमदाबाद में नवनिर्मित पुलिस आयुक्त कार्यालय में एक अपराध सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें भविष्य में ड्रग्स और साइबर से जुड़े अपराधों पर काबू पाने और नेटवर्क को खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाने पर विस्तार से चर्चा हुई. इसके अलावा दुर्घटना की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए प्रत्येक थाने के लिए ब्लैक स्पॉट तय किए जाएंगे, साथ ही सड़क इंजीनियरिंग से जुड़े विभाग के अधिकारी के साथ नौ रेंज के पुलिस महानिरीक्षकों के साथ अपराध सम्मेलन आयोजित किया गया. इस कॉन्फ्रेंस में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई. चोरी, डकैती, हत्या, साइबर अपराध और नशीली दवाओं के अपराधों के अलावा, यातायात के मामले में, प्रत्येक पुलिस स्टेशन की सीमा में उन रिक्त स्थानों की पहचान की जाती है जहां दुर्घटनाओं को कम किया जाता है। स्थानीय पुलिस, आरटीओ, सड़क और भवन विभाग के सहयोग से सड़क इंजीनियरिंग के साथ मिलकर काम किया जाएगा। इस प्रकार, राज्य के सभी पुलिस स्टेशनों में एक-एक करके रिक्त स्थानों पर नियमित रूप से काम किया जाएगा।

इस संबंध में डीजीपी विकास सहाय ने कहा कि चोरी, डकैती और हत्या जैसे शरीर संबंधी अपराधों पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है. लेकिन, साइबर क्राइम और एमडी ड्रग्स का मामला पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण है. साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को जागरूक करने से लेकर सभी शहरों में साइबर विशेषज्ञों की मदद लेने जैसे मुद्दों पर विचार किया जा रहा है। जिसके क्रम में राज्य के सभी पुलिस स्टेशनों में साइबर विशेषज्ञों की नियुक्ति का कार्य किया जा रहा है. जिससे पीड़ितों को त्वरित सहायता मिल सके। हालाँकि, साइबर अपराध के पीड़ितों को धोखाधड़ी के पैसे लौटाने के साथ-साथ हजारों जमे हुए खातों को खोलकर केवल धोखाधड़ी की आय की वसूली की गई है। इसके अलावा, स्थानीय पुलिस के अलावा विभिन्न एजेंसियों द्वारा कई स्थानीय कारखानों और दवा आपूर्तिकर्ताओं का भंडाफोड़ किया गया है। इस प्रकार अपराध सम्मेलन में एमडी ड्रग्स और साइबर क्राइम का मुद्दा छाया रहा

अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय और अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेगी

अहमदाबाद , उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य तथा मेजर अपग्रेडेशन कार्य के संबंध में लाइन नंबर 13,14,15 और 16 को बंद किया जा रहा है। जिसके कारण अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस और अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस साप्ताहिक ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

☐ तत्काल प्रभाव 25 अक्टूबर 2024 तक अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 15560 अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस अपने निर्धारित मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-वाराणसी-जौनपुर रास्ते चलेगी। इस दौरान यह ट्रेन प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ठहराव करेगी।

☐ तत्काल प्रभाव से 23 अक्टूबर 2024 तक दरभंगा से चलने वाली ट्रेन संख्या 15559 दरभंगा-अहमदाबाद अंत्योदय एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग वाया वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज-मानिकपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया जौनपुर-वाराणसी-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के रास्ते चलेगी। इस दौरान यह ट्रेन प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ठहराव करेगी।

☐ तत्काल प्रभाव 20 अक्टूबर 2024 तक अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 19421 अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक एक्सप्रेस अपने निर्धारित मानिकपुर-प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-पं. दीनदयाल उपाध्याय के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-पं.दीनदयाल उपाध्याय के रास्ते चलेगी। इस दौरान यह ट्रेन प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ठहराव करेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भारत-पोलैंड संबंधों में गुजरात की भूमिका इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है : मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 और 22 अगस्त को पोलैण्ड देश की यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री ने अपने इस दो दिवसीय दौरे पर आज पोलैण्ड के वॉरसॉ में गुजरात के नवानगर के जामसाहब दिग्विजयसिंह रणजीतसिंहजी जाडेजा के सम्मान में बने स्मारक ''स्क्वायर ऑफ गुड महाराजा'' के दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने प्रधानमंत्री जी की इस यात्रा का स्वागत करते हुए ट्वीट में लिखा कि भारत-पोलैंड संबंधों में गुजरात की भूमिका इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। प्रधानमंत्री के इस दौरे से भारत और पोलैंड के रिश्ते और अधिक मजबूत होंगे। गुजरात सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पोलैण्ड यात्रा को गुजरात और पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया और कहा कि उनकी यह यात्रा ''विकास भी और विरासत'' के मंत्र को सार्थक करती है। प्रवक्ता मंत्री ने आगे कहा कि वारसॉ में जामसाहब के नाम पर ''स्क्वायर ऑफ गुड महाराजा'' स्मारक के अलावा पोलैण्ड में कुछ स्कूलों और सड़कों के नाम भी जामसाहब दिग्विजयसिंह जडेजा की स्मृति में रखे गए हैं। मंत्री ने भारतीय संस्कृति और भारत की वसुधैव कुटुम्बकम के आदर्श विचार के संदर्भ में जामसाहब के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जामसाहब दिग्विजयसिंह जडेजा जी ने लगभग 600 पोलिश बच्चों को अपने राज्य में आश्रय दिया था। साथ ही, उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया था कि सभी आश्रित पोलिश बच्चों को जीवन से जुड़ी सभी बुनियादी आवश्यकताएँ जैसे अच्छे आवास, उत्कृष्ट शिक्षा और पौष्टिक भोजन प्राप्त हों। विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद जामसाहब ने सभी बच्चों को वापस पोलैण्ड भेज दिया। मंत्री ऋषिकेष पटेल ने कहा कि जामसाहब दिग्विजय सिंह जाडेजा के सद्भाव से युक्त कृत्य आज पूरे भारत और गुजरात के लिए एक चिर स्थायी व गौरव से परिपूर्ण स्मृति बन गई है।

बाबरा में बड़ी दुर्घटना टली, विद्यार्थियों से भरी स्कूल बस में लगी आग, सभी सुरक्षित

अमरेली (ईएमएस) बाबरा में आज एक बड़ी दुर्घटना टल गई। स्कूल बस में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। राहत बात है कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई। समय रहते ड्राइवर ने सभी विद्यार्थियों को बस से नीचे उतार लिया। जानकारी के मुताबिक अमरेली जिले के बाबरा शहर में आज एक स्कूल बस में अचानक आग लग गई। बाबरा के जनत विद्यालय की स्कूल बस में शोर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होने की प्राथमिक जानकारी है। घटना के वक्त बस में ड्राइवर के अलावा 15 विद्यार्थी सवार थे। शोर्ट सर्किट के बाद आग भड़कते ही बस में सवार विद्यार्थी घबरा गए। हालांकि समय रहते ड्राइवर समेत सभी विद्यार्थी बस से बाहर आ गए, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। खबर पाते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया। यह घटना उस समय हुई जब स्कूल बस राणपर से थोरखाण की ओर जा रही थी।

गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश का पूर्वानुमान, 24 घंटों में 97 तहसीलों में हुई बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कुछ दिनों के विराम के बाद मेघा फिर एक बार सक्रिय हो गया है। गुजरात में अगले 7 दिनों के दौरान भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 7 दिनों तक गुजरात में भारी बारिश हो सकती है। राज्य के ऊपर एक चक्रवाती सर्क्युलेशन सक्रिय हो गया है इसके चलते पूरे राज्य में भारी बारिश होगी। गुजरात के सूरत, नवसारी, वलसाड और तापी जिलों में आज से भारी बारिश की संभावना है। दाहोद, छोटाउदेपुर, नर्मदा, अमरेली, भावनगर और गिर सोमनाथ में भी आज बारिश हो सकती है। 25 अगस्त खेड़ा, पंचमहल, वडोदरा, छोटाउदेपुर, नर्मदा, भरूच, सूरत, नवसारी, वलसाड, तापी, दमन दादरा नगर हवेली में भारी बारिश और दाहोद व महिसागर में बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक कल दक्षिण गुजरात में भारी बारिश की संभावना है, जिसका असर राज्य के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिल सकता है। जबकि शुक्रवार को मध्य और दक्षिण गुजरात में भारी बारिश होने की संभावना है। 25 और 26 अगस्त को राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। बारिश की स्थिति को देखते हुए राज्य के लोगों को सतर्क रहने और विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है।

गुजरात विधानसभा में कांग्रेस का फसल मुआवजे को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात विधानसभा में आज से मानसून सत्र शुरू हो गया है। तीन दिवसीय सत्र के पहले ही दिन सदन में विपक्ष ने विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश की। कांग्रेस विधायक विमल चुडासमा ने फसल मुआवजे के मुद्दे पर सरकार पर हमला बोला और कई सवाल उठाए। उन्होंने सदन में कहा कि सरकार फसल मुआवजे के मुद्दे पर गोलमोल जवाब दे रही है। विमल चुडास्मा ने सदन में बेमौसम बारिश और अन्य कारणों से किसानों की फसल क्षति के मुआवजे का मुद्दा उठाया और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप भी लगाए। प्रश्नकाल के दौरान विमल चुडास्मा ने आरोप लगाया कि सरकार फसल मुआवजे को लेकर गोलमोल जवाब दे रही है। उन्होंने सोमनाथ-जूनागढ़, पोरबंदर समेत विभिन्न जिलों में सर्वे कार्य और जहां फसलों को नुकसान हुआ, उस पर सवाल उठाए। विमल चुडास्मा ने कहा कि फसल मुआवजे को लेकर अब तक किसानों को गोलमोल जवाब ही मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल सर्वे के बाद भी सरकार ने किसानों को मुआवजा नहीं दिया। सरकार सिर्फ दिखावे के लिए सर्वे करती है लेकिन फसल नुकसान का मुआवजा नहीं देती। फसल नुकसान को लेकर पोरबंदर से विधायक अर्जुन मोढवाडिया का बयान सामने आया है। भाजपा विधायक अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि घेड़ क्षेत्र में भारी बारिश से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। राज्य सरकार ने भी आश्वासन दिया कि वह एसडीआरएफ के तहत मदद करने का इरादा रखती है। सरकार ने घोषणा की है कि जहां प्रति हेक्टेयर 33 प्रतिशत से अधिक नुकसान होगा वहां 8500 रुपये सहायता राशि दी जाएगी। साथ ही अधिकतम 2 हेक्टेयर में हुए नुकसान पर मुआवजा दिया जाएगा। मोढवाडिया ने कहा कि घेड पर एक रिपोर्ट सैकॉन इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा तैयार की जा रही है। नदी पर दबाव हटाने के लिए किसानों ने भी तत्परता दिखाई है। उन्होंने कहा कि नदी की क्षमता 1 लाख 36 हजार क्यूसेक होनी चाहिए, जिसके मुकाबले अभी 26 हजार क्यूसेक ही है।

माता-पिता द्वारा मोबाइल के ज्यादा उपयोग करने से रोकने पर बेटी ने आत्महत्या कर ली

सूरत (ईएमएस) मौजूदा दौर में मोबाइल का उपयोग इस कदर बढ़ गया है कि लोग घंटों उस पर गुजार देते हैं। सूरत से ऐसी ही एक चौंका देनेवाली घटना सामने आई है, जिसमें मोबाइल का अतिशय उपयोग करने वाली 22 साल की बेटी को माता-पिता ने ऐसा ना करने की हिदायत दी थी। अभिभावक की डांट युवती को इतनी बुरी लगी उसने जहरीली दवाई गटगटा ली। युवती को फौरन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। यह घटना सूरत के कामरेज की है। कामरेज की सुदर्शन सोसायटी निवासी 22 वर्षीय युवती का ज्यादा समय मोबाइल पर बीतता था। यह बात जब उसके माता-पिता के ध्यान में आई तो उन्होंने बेटी से मोबाइल का ज्यादा उपयोग नहीं करने की हिदायत दी। माता-पिता की हिदायत बेटी को इतनी बुरी लगी कि उसने कीटनाशक दवाई गटगटा ली। इसका पता लगते ही परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले गए। अस्पताल में उपचार के दौरान युवती की मौत हो गई। युवती की मौत से परिवार में शोक व्याप्त है। कामरेज पुलिस ने युवती का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू की है।

आज वडोदरा पेरेंट्स एसोसिएशन ने नवनियुक्त एफआरसी समिति का दौरा किया

(प्रतिनिधि द्वारा)वडोदरा के शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाली संस्था वडोदरा पेरेंट्स एसोसिएशन ने नवनियुक्त एफआरसी समिति का स्वागत किया और एफआरसी पर निःशुल्क चर्चा की।

इस अवसर पर वडोदरा पैलेस एसोसिएशन के अध्यक्ष किशोर पिल्लई सहित संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे और एफआरसी कमेटी के नवनियुक्त कमेटी सदस्य को गुलाब के फूल देकर उनका अभिनंदन किया

मजबूत बुनियाद तेजी से बढ़ते बाजारों का समर्थन करते हैंः एएसके निवेश प्रबंधक

अहमदाबाद, 21 अगस्त, 2024 - भारत कई वर्षों के विकास के शिखर पर है। आज अहमदाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए, एएसके इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (एएसके) के डिप्टी सीआईओ, सुमित जैन ने कहा, बाजार अभी प्रीमियम पर चल रहा है, लेकिन उन्हें मजबूत, टिकाऊ और दीर्घकालिक विकास का समर्थन प्राप्त है।

इस अवसर पर बिक्री एवं उत्पाद प्रमुख और एएसके इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स के निदेशक निमेश मेहता भी उपस्थित थे। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, एएसके राज्य के बढ़ते खुदरा निवेशक आधार का लाभ उठाना चाहता है, जो कुल खुदरा निवेशकों के 10 प्रतिशत से भी कम है। 2.96 प्रतिशत के म्यूचुअल फंड एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के साथ म्यूचुअल फंड के कुल एयूएम के मामले में अहमदाबाद देश का सातवां सबसे बड़ा बाजार होने का अनुमान है। एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले पांच सालों में अहमदाबाद का म्यूचुअल फंड एयूएम 16 फीसदी सीएजीआर से बढ़कर रु. 1.81 लाख करोड़ पहुंच गया है.

☐ इसी अवधि के दौरान अहमदाबाद में एख का कुल AUM 18 प्रतिशत की CAGR से तेजी से बढ़कर रु. 1,113 करोड़.

☐ पिछले पांच वर्षों में एएसके की पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) एयूएम में अहमदाबाद की हिस्सेदारी 3.43 प्रतिशत से बढ़कर 4.19 प्रतिशत हो गई है।

निमेश मेहता ने कहा, ''अहमदाबाद एएसके निवेश प्रबंधकों के लिए एक फोकस बाजार है। हमने पिछले पांच वर्षों में अपने एयूएम में लगातार वृद्धि देखी है और यहां समझदार निवेशक वर्ग के साथ हम और बढ़ने के लिए तैयार हैं।

भारतीय बाजारों में कथित अस्थिरता पर टिप्पणी करते हुए, सुमित जैन ने कहा, ''फिलहाल भारत में अस्थिरता अलग है। इससे पहले, अस्थिरता के समय में मुद्राओं का भी अवमूल्यन होता था। इस बार यह लचीला रहा है। हम मुद्राओं और इक्विटी दोनों में समग्र रूप से कम अस्थिरता देखते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि ''मौजूदा आय गुणक और मूल्यांकन बेहतर मार्जिन और बेहतर पूंजी दक्षता द्वारा समर्थित हैं। हितधारकों की बैलेंस शीट पहले की तुलना में काफी बेहतर है इसलिए अतीत के साथ तुलना उचित नहीं होगी।'

गुजरात कांग्रेस की न्याय यात्रा का 23 अगस्त को अहमदाबाद में होगा समापन

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस ने पिछले तीन दशकों से राज्य में भाजपा शासन में बेखौफ भ्रष्टाचार के कारण वडोदरा हरणी नाव कांड, मोरबी ब्रिज कांड, कांकरिया सवारी कांड, तक्षशिला अग्नि कांड, बुलडोजर कांड, लट्ठा कांड, पेपर लीक कांड, भूमाफिया कांड जैसे कई घोटाले, बलात्कार, समेत अनेक घोटालों के शिकार नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए न्याय यात्रा शुरू की थी। इस न्याय यात्रा का समापन 23 अगस्त को अहमदाबाद के चांदखेडा में होगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। इस संदर्भ में गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने की लड़ाई के लिए कांग्रेस की न्याय यात्रा 9 अगस्त को मोरबी से शुरू हुई थी। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के मार्गदर्शन में, कांग्रेस पार्टी की गुजरात न्याय यात्रा मोरबी, टंकारा, राजकोट, चोटिला, सुरेंद्रनगर, विरमगाम, साणंद होते हुए अहमदाबाद के चांदखेड़ा में समाप्त होगी। 22 अगस्त को सुबह 8-30 बजे सरखेज के साबर चौक में गुजरात न्याय यात्रा का अहमदाबाद शहर कांग्रेस समिति स्वागत करेगी। उसके बाद यात्रा अहमदाबाद शहर में प्रवेश करेगी और दोपहर राजीव गांधी भवन पहुंचेगी। दोपहर 3-00 बजे राजीव गांधी भवन से जुलूस निकलेगा और शाम 5-30 बजे गांधी के साबरमती आश्रम में प्रार्थना सभा में शामिल होगा। शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि हाल ही में सेबी पर हिंडन बर्ग रिपोर्ट में उजागर हुए भाजपा सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में बड़ी संख्या में लोग प्ले-कार्ड के साथ पदयात्रा में शामिल होंगे। 23 अगस्त को सुबह 8 बजे से साबरमती आश्रम से सुभाष ब्रिज तक चांदखेड़ा में एक सार्वजनिक सभा के रूप में गुजरात न्याय यात्रा का समापन होगा। गुजरात न्याय यात्रा सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई, कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष जिग्नेश मेवाणी, किसान कांग्रेस के अध्यक्ष पालभाई अंबालिया सहित नेताओं के अथक प्रयासों से गुजरात के लोगों की आवाज उठा रही है। शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि राज्य में फर्जी अधिकारियों और फर्जी सरकारी कार्यालयों का बोलबाला है। गांधी के गुजरात में शराब पर प्रतिबंध के बावजूद पुलिस थानों, सरकारी दफ्तरों, सरकारी अस्पतालों, सरकारी गाड़ियों में खुलेआम शराब पार्टियां चलती हैं और बेरोकटोक करोड़ों लीटर शराब उड़ाई जाती है। गुजरात के युवाओं को रोजगार मुहैया कराने में विफल रही भाजपा के नये शासन में नशीली दवाओं की खुली बिक्री के कारण बड़े पैमाने पर युवाओं के नशे की ओर रुख करने से राज्य की युवा संपदा नष्ट हो रही है। कानून व्यवस्था सहित सभी मोर्चों पर विफल भाजपा सरकार धृतराष्ट्र बनकर सिर्फ तमाशा देख रही है जबकि गुजरात न्याय यात्रा गुजरातियों के न्याय और अधिकारों के लिए आवाज उठा रही है। पिछले तीन दशकों से गुजरात राज्य में भाजपा शासन में बेखौफ भ्रष्टाचार के कारण वडोदरा हरणी नाव कांड, मोरबी ब्रिज कांड, कांकरिया कांड, तक्षशिला अग्निकांड, बुलडोजर कांड, लट्ठा कांड, पेपर लीक कांड, जैसे कई घोटाले हुए जिसका खामियाजा निर्दोष नागरिकों के भुगतना पड़ा। ऐसे निर्दोष पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए गुजरात कांग्रेस ने 9 अगस्त को मोरबी से न्याय यात्रा निकाली थी, जिसका समापन 23 अगस्त को अहमदाबाद के चांदखेडा में होगा।

पीआई और पीएसआई के तबादले को लेकर कोई सर्कुलर जारी नहीं किया गया हैःडीजीपी

अहमदाबाद, मंगलवार (प्रतिनिधि द्वारा)

एक पत्र वायरल हुआ है कि राज्य पुलिस प्रमुख ने उन पुलिस निरीक्षकों और पुलिस उप-निरीक्षकों का विवरण मांगा है, जिन्होंने गुजरात पुलिस में विभिन्न रेंजों और शहरों में पांच साल या उससे अधिक की सेवा की है। इसके अलावा पीआई और पीएसआई नौकरियों को लेकर एक और पत्र भी वायरल हुआ था. पत्र में कहा गया है कि किसी भी रेंज या शहर में पांच साल या उससे अधिक समय से सेवा दे रहे पीआई और पीएसआई को उनकी मौजूदा रेंज के करीब की रेंज में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। इस सर्कुलर के बाद पुलिस अधिकारियों में नाराजगी भी देखी गई. तब राज्य पुलिस प्रमुख विकास सहाय ने अहम खुलासा करते हुए कहा था कि रेंज ट्रांसफर को लेकर कोई सर्कुलर जारी नहीं किया गया है. सिर्फ पांच साल तक सेवा देने वाले अधिकारी का ब्योरा मांगा गया था। पिछले 2 अगस्त को डीजीपी विकास सहाय के हस्ताक्षर वाला एक सर्कुलर वायरल हुआ था. जिसमें उन्होंने राज्य के विभिन्न रेंजों में लगातार पांच वर्षों तक सेवा देने वाले पुलिस निरीक्षकों और पुलिस उपनिरीक्षकों की सूची मांगी है. इसके अलावा एक और पत्र भी वायरल हुआ. जिसमें कहा गया था कि गृह विभाग पीआई और पीएसआई के तबादलों में पारदर्शिता लाने के लिए पांच साल या उससे अधिक समय से एक ही रेंज में सेवा दे रहे अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला करे. साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि यह स्थानांतरण मौजूदा व्यवस्था या कमिश्नरी से नजदीकी जिले या रेंज में नहीं किया जाना चाहिए. वडोदरा रेंज और वडोदरा सिटी, अहमदाबाद रेंज और अहमदाबाद सिटी, राजकोट रेंज और राजकोट सिटी, सूरत रेंज और सूरत सिटी, गांधीनगर, पंचमहल, भावनगर, जूनागढ़ और बॉर्डर रेंज में काम करने वाले कई अधिकारी प्रभावित हुए। वहीं, इस सर्कुलर और वायरल लेटर को लेकर अंदरखाने नाराजगी भी देखने को मिल रही है। इस संबंध में डीजीपी विकास सहाय ने अहम बयान देते हुए कहा कि जिन पीआई या पीएसआई ने पांच साल या उससे अधिक समय तक रेंज में सेवा दी है, उनके रेंज में बदलाव को लेकर कोई सर्कुलर जारी नहीं किया गया है. पांच साल या उससे अधिक समय तक सेवा दे चुके अधिकारी का ब्योरा जुटाना प्रशासनिक मामला है। डीजीपी के इस अहम बयान के बाद पुलिस अधिकारियों को राहत मिली है।

एअर इंडिया ने मौजूदा फ्लीट में इन-फ्लाइट मनोरंजन को और बेहतर बनाने के लिए पेश किया 'विस्टा'

गुरुग्राम, 21 अगस्त 2024ः भारत की अग्रणी ग्लोबल एयरलाइन एअर इंडिया ने हाल ही में मौजूदा वाइड-बॉडी बेड़े में अपनी वायरलेस इनफ्लाइट एंटरटेनमेंट (घ्ई) सेवा, विस्टा लॉन्च की है ताकि रेट्रोफिट होने तक ग्राहकों को निर्बाध मनोरंजन प्रदान किया जा सके। इसके बाद, विस्टा नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट पर भी उपलब्ध होगी।

अवार्ड विनिंग डिजिटल सेवा प्रदाता ब्लूबॉक्स द्वारा संचालित विस्टा को ब्लूबॉक्स के ब्लूव्यू डिजिटल सेवा प्लेटफॉर्म पर तैनात किया जा रहा है और इसे ब्लूबॉक्स वाउ वायरलेस नेटवर्क सिस्टम के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचाया जा रहा है।

विस्टा ग्राहकों को अपने व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर सामग्री को सहजता से स्ट्रीम करने की सुविधा प्रदान करता है। बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर से लेकर हॉलीवुड प्रीमियर, ग्लोबल म्यूजिक आइकन से लेकर लुभावने वृत्तचित्रों तक, दुनिया की सबसे अच्छी सामग्री अब एअर इंडिया के ग्राहकों की उंगलियों पर होगी। इसके अतिरिक्त, विस्टा में फ्लाइट ट्रैकिंग के लिए लाइव मैप डिस्प्ले की सुविधाभी है। आईओएस, एंड्रॉइड, विंडोज और मैकओएस डिवाइस पर उपलब्ध, विस्टा सुनिश्चित करता है कि यात्री आसानी से नई इन-फ्लाइट मनोरंजन सामग्री तक पहुंच सकें और उससे जुड़ सकें।

एअर इंडिया के चीफ कस्टमर एक्सपिरियन्स ऑफिसर राजेश डोगरा ने कहा,एअर इंडिया में, हम अपने आधुनिक यात्रियों की उभरती जरूरतों का अनुमान लगाने और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

पश्चिम रेलवे - राजकोट मंडल
आरओबी प्रदान करना
निविदा संख्या : DRM-RJT-24-25-SnT-E-11 DT. 12-08-2024 कार्य का नाम : राजकोट डिवीजन: एसएंडटी कार्य के संबंध में (i) सुरेंद्रनगर -वांकानेर सेक्शन पर थान-लाखामाची के बीच बंद एलसी-72 के पास किमी 674.05 पर पुशिंग विधि द्वारा बॉक्स 4X2.5 आकार का आरयूबी प्रदान करना।(ii) मोडपुर -खंभालिया सेक्शन के बीच किमी 880/7-8 पर एलसी नंबर 233 के बदले आरओबी प्रदान करना। कार्य की अनुमानित लागत : ₹99,63,118.35/- (निन्यान्बे लाख तिरेसठ हजार एक सौ अठारह रुपये और पैंतीस पैसे केवल) बयाना जमा राशि : ₹1,99,300/- (एक लाख निन्यान्बे हजार तीन सौ केवल) निविदा फॉर्म किम्मत : ₹00.00 (शून्य केवल)परा-3, जीसीसी-जुलाई - 2022 के अनुसार निविदा प्रति जमा करने की अन्तिम दिनांक व समय : दि : 11-09-2024 के 15:30 बजे तक कार्यालय का पता : मंडल रेल प्रबन्ध (एस & टी) पश्चिम रेल्वे, कोठी कम्पाउण्ड, राजकोट - 360001, वेबसाइट : www.ireps.gov.in 77
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95